दैनिक

# क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-68
मुरादाबाद
28 June 2024
(Friday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## राष्ट्रपति ने आपातकाल को बताया संविधान का काला अध्याय, अभिभाषण में सरकार का रोडमैप भी बताया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली नवनिर्वाचित सरकार की प्राथमिकताओं को सामने रखा। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद की संयुक्त बैठक में मुर्मू का यह पहला संबोधन है। नई लोकसभा का पहला सत्र गत सोमवार को शुरू हुआ था। इसके अलावा राज्यसभा का 264वां सत्र 27 जून से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि मैं 18वीं लोक सभा के सभी नव निर्वाचित सदस्यों को बहुत-

बहुत बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। आप सभी यहां देश के मतदाताओं का विश्वास जीतकर आए हैं। देशसेवा और जनसेवा का ये सौभाग्य बहुत कम लोगों को मिलता है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपना दायित्व निभाएंगे।140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बनेंगे।अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने आपातकाल पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ महीनों में भारत एक गणतंत्र के रूप में 75 वर्ष पूरे करने जा रहा है। भारतीय संविधान ने बीते दशकों में हर चुनौती और कसौटी पर खरा उतरा है। देश में संविधान लागू होने के बाद भी संविधान पर कई हमले हुए हैं।25 जून 1975 को लागू किया गया आपातकाल संविधान पर सीधा हमला था। जब इसे लगाया गया तो पूरे देश में हाहाकार मच गया था, लेकिन देश ने ऐसी असंवैधानिक ताकतों पर विजय प्राप्त की है। मेरी सरकार भी भारतीय संविधान को सिर्फ शासन का माध्यम नहीं बना सकती। हम अपने संविधान को जनचेतना का हिस्सा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इसी के साथ मेरी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है। हमारे जम्मू-कश्मीर में संविधान पूरी तरह लागू किया गया है, जहां अनुच्छेद 370 के कारण स्थिति अलग थी।उन्होंने कहा कि मैं 18वीं लोक सभा के सभी नव निर्वाचित सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। आप सभी यहां देश के मतदाताओं का विश्वास जीतकर आए हैं। देशसेवा और जनसेवा का ये सौभाग्य बहुत कम लोगों को मिलता है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपना दायित्व निभाएंगे।140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बनेंगे। उन्होंने कहा कि ये दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। करीब 64 करोड़ मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ अपना कर्तव्य निभाया है। इस बार भी महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर मतदान में हिस्सा लिया है। इस चुनाव की बहुत सुखद तस्वीर जम्मू-कश्मीर से भी सामने आई है। कश्मीर घाटी में वोटिंग के अनेक दशकों के रिकॉर्ड टूटे हैं।लोकसभा चुनाव की चर्चा आज पूरी दुनिया में उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव की चर्चा आज पूरी दुनिया में है। दुनिया देख रही हैं कि भारत के लोगों ने लगातार तीसरी बार स्थिर और स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई है। छह दशक बाद ऐसा हुआ है। ऐसे समय में जब भारत के लोगों की आकांक्षाएं सर्वोच्च स्तर पर हैं, लोगों ने मेरी सरकार पर लगातार तीसरी बार भरोसा जताया है। राज्य के विकास से देश का विकास- उन्होंने कहा कि मेरी सरकार का मत है कि दुनियाभर से निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्यों में स्वस्थ स्पर्धा हो। यही कंपटीटिव को-ऑपरेटिव फेडरलिज्म की सच्ची स्पिरिट है। राज्य के विकास से देश का विकास, इसी भावना के साथ हम आगे बढ़ते रहेंगे। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था- उन्होंने कहा कि सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के संकल्प ने आज भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया है। 10 साल में भारत 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से ऊपर उठकर पांचवें नंबर पर पहुंचा है। साल 2021 से लेकर साल 2024 के बीच भारत ने औसतन 8 प्रतिशत की रफ्तार से विकास किया है। विनिर्माण, सेवाएं और कृषि को बराबर महत्व- उन्होंने कहा कि मेरी सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों स्तंभों विनिर्माण, सेवाएं और कृषि को बराबर महत्व दे रही है।

पीएलआई योजना और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। पारंपरिक सेक्टर्स के साथ-साथ सनराइज सेक्टर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि किसान अपने छोटे खर्चे पूरे कर सकें, इसके लिए पीएम किसान सम्मान निधि के तहत उन्हें 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा राशि दी जा चुकी है। मेरी सरकार के नए कार्यकाल के शुरूआती दिनों में ही किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर की जा चुकी है। सरकार ने खरीफ फसलों के लिए रूख में भी रिकॉर्ड वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि आजकल ऑर्गेनिक उत्पादों को लेकर दुनिया में डिमांड तेजी से बढ़ रही है। भारत के किसानों के पास इस डिमांड को पूरा करने की भरपूर क्षमता है। इसलिए सरकार प्राकृतिक खेती और इससे जुड़े उत्पादों की सप्लाई चेन को सशक्त कर रही है। ऐसे प्रयासों से किसानों का खेती पर होने वाला खर्च भी कम होगा और उनकी आय भी और बढ़ेगी। भारत दुनिया को समाधान देने के लिए जाना जाता है राष्ट्रपति ने कहा कि आज का भारत, दुनिया की चुनौतियां बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि दुनिया को समाधान देने के लिए जाना जाता है। विश्व-बंधु के तौर पर भारत ने अनेक वैश्विक समस्याओं के समाधान को लेकर पहल की है। जलवायु परिवर्तन से लेकर खाद्य सुरक्षा तक, पोषण से लेकर सस्टेनबल एग्रीकल्चर तक हम अनेक समाधान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाला समय हरित युग का है। मेरी सरकार इसके लिए भी हर जरूरी कदम उठा रही है। हम हरित उद्योगों पर निवेश बढ़ा रहे हैं, जिससे हरित जॉब भी बढ़े हैं।

हरित ऊर्जा हो या फिर ग्रीन मोबिलिटी, हर मोर्चे पर हम बड़े लक्ष्यों के साथ काम कर रहे हैं। भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डोमेस्टिक एविएशन मार्केट राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डोमेस्टिक एविएशन मार्केट है। अप्रैल 2014 में भारत में सिर्फ 209 एयरलाइन रूट्स थे। अप्रैल 2024 में इनकी संख्या बढ़कर 605 हो गई है। हवाई यात्रा में हो रहे इस विस्तार का सीधा लाभ टीयर-2, टीयर-3 शहरों को हो रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### ये कैसी मां: तीन बेटों को नहर में डुबोया, दो की मौत... एक की तलाश जारी; चौथा बचकर भागा

औरैया जिले में फफूंद थाना क्षेत्र के गांव ताल्हेपुर में एक महिला देवर से लड़ाई के बाद अपने चार छोटे-छोटे बच्चों को नहर पर लेकर पहुंची। यहां दो बच्चों को नहर के पानी में डुबोकर मार दिया, जबकि अभी एक बच्चे की पुलिस नहर में तलाश कर रही है। फफूंद थाना क्षेत्र में देवर से झगड़े के बाद कलयुगी मां ने तीन बेटों की नहर में डुबो दिया। जिसमें दो की मौत हो गई और तीसरे की तलाश जारी है। पुलिस ने हत्यारोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है।वहीं, मां के कहर को देख चौथा बच्चा मौके से बचकर भाग गया। इससे उसकी जान बच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दो बच्चों के शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। उधर, पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर बवाल करने का प्रयास किया।यहां पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाकर शांत कराया। पुलिस ने हत्यारोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है। मौके पर अभी तनाव की स्थिति बनी हुई है। गोताखोरों की मदद से एक बच्चे की तलाश की जा रही है। घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

## प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति के अभिभाषण की तारीफ की

प्रधानमंत्री ने लिखा राष्ट्रपति जी ने संसद के दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए तरक्की और सुशासन का रोडमैप पेश किया। इसमें भारत द्वारा की जा रही प्रगति और भविष्य में आने वाली संभावनाओं को शामिल किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण की तारीफ करते हुए कहा कि उनके संबोधन में देश की तरक्की और सुशासन को रोडमैप पेश किया गया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा पोस्ट में प्रधानमंत्री ने लिखा कि राष्ट्रपति के संबोधन में भारत की उन उपलब्धियों का भी जिक्र किया गया, जो भारत ने हासिल की हैं, साथ ही भारत की क्षमताओं का भी जिक्र किया गया। प्रधानमंत्री ने लिखा राष्ट्रपति जी ने संसद के दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए तरक्की और सुशासन का रोडमैप पेश किया। इसमें भारत द्वारा की जा रही प्रगति और भविष्य में आने वाली संभावनाओं को शामिल किया गया। उनके संबोधन में कुछ प्रमुख चुनौतियों का भी उल्लेख किया गया, जिन्हें हमें अपने नागरिकों के जीवन में बदलाव लाने के लिए सामूहिक रूप से दूर करना होगा। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि राष्ट्रपति ने एकजुटता और देश को आगे ले जाने का संदेश दिया ताकि हम देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बना सकें। विशेष मौके पर यह बहुत ही अच्छा और सकारात्मक संदेश था। हमारे लोकतांत्रिक संस्थान मजबूत हैं और हम उन पर गर्व कर सकते हैं। हमारा उनमें पूरा विश्वास है।उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में लोकसभा चुनाव, आर्थिक विकास, सुरक्षा आदि मुद्दे का जिक्र किया और देश की उपलब्धियों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने देश को विश्वास दिलाया कि आगामी बजट में बड़े आर्थिक फैसले लिए जाएंगे। साथ ही सरकार आने वाले दिनों में कई अहम फैसले लेगी। नए आपराधिक कानूनों पर बोलीं राष्ट्रपति मुर्मू- नए आपराधिक कानूनों पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि 1 जुलाई से लागू होने वाले तीन नए आपराधिक कानून दंड नहीं, बल्कि न्याय प्रदान करेंगे। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद की पहली संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 न्यायिक प्रक्रिया को गति देंगे। पिछले साल बनाए गए ये कानून क्रमशः ब्रिटिश काल के भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। उन्होंने कहा, एक जुलाई से देश में भारतीय न्याय संहिता लागू हो जाएगी। ब्रिटिश शासन के दौरान प्रजा को दंडित करने की मानसिकता थी। दुर्भाग्य से, औपनिवेशिक काल की वही दंड व्यवस्था स्वतंत्रता के बाद भी कई दशकों तक जारी रही।% राष्ट्रपति ने कहा कि आपराधिक कानूनों को बदलने के बारे में कई दशकों से चर्चा हो रही थी, लेकिन इस सरकार ने इसे करने का साहस दिखाया है।

## उद्धव ने किसानों का कर्ज माफ करने की मांग की; कांग्रेस ने दो नेताओं को किया निलंबित

उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार से मांग की कि इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से पहले किसानों का कर्ज को पूरी तरह से माफ किया जाए और इसे लागू किया जाए। महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसको लेकर सियासी हलचल जारी है। इस बीच, कांग्रेस ने जहां अपने दो नेताओं को पार्टी से निलंबित कर दिया। वहीं उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) वाली शिवसेना ने कृषि ऋण को पूरी तरह से माफ करने की मांग की है।छह साल के लिए पार्टी से निलंबित- महाराष्ट्र कांग्रेस ने विजय देवताले और असावरी देवताले को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित किया। दोनों चंद्रपुर जिले के नेता हैं और लोकसभा चुनाव में कथित तौर पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल थे।किसानों का कर्ज को पूरी तरह से माफ हो- ठाकरे- वहीं, उद्धव बालासाहेब ठाकरे वाली शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को महाराष्ट्र सरकार से मांग की कि इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से पहले

किसानों का कर्ज को पूरी तरह से माफ किया जाए और इसे लागू किया जाए। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने गुरुवार को शुरू हुए राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार का विदाई सत्र बताया। उन्होंने कहा कि तुरंत पूरी तरह किसानों का कर्ज माफ किया जाना चाहिए और इसे राज्य चुनावों से पहले लागू किया जाना चाहिए। नीट को लेकर भड़का गुस्सा- राज्य सरकार शुक्रवार को अपना बजट पेश करेगी। वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा सत्र के पहले दिन विपक्ष ने किसानों और नीट के मुद्दों पर विधान भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। नीट परीक्षा और अयोध्या राम मंदिर में पानी लीक की खबरों पर ठाकरे ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दोनों सरकारें लीकेज सरकार हैं। शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरचंद्र पवार वाली एनसीपी के महा विकास आघाड़ी (एमवीए) से जुड़े प्रदर्शनकारियों ने किसानों और नीट परीक्षा से संबंधित मुद्दों पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा मई में आयोजित नीट में अनियमितताओं के कई आरोप लगाए गए हैं। इसी को लेकर राज्य विधानमंडल परिसर की सीढ़ियों पर बैठे विपक्षी सदस्यों ने हाथों में तख्तियां लेकर नारे लगाए। नार्वेकर ने सात विधायकों के इस्तीफे की घोषणा की- महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने गुरुवार को 18वीं लोकसभा के सदस्य चुने गए सात विधायकों के इस्तीफे की घोषणा की। चुनाव से पहले विधायक के रूप में इस्तीफा दे दिया था, लेकिन वह हार गए थे। विधानसभा ने मीनाक्षी पाटिल, पांडुरंग पाटिल, प्रतापराव भोसले, गंगाधर गाडे, त्र्यंबक कांबले, डोमिनिक गोंजाल्विस और दगडू गलांडे को भी श्रद्धांजलि दी, जिनका हाल ही में निधन हो गया था।

## लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से राहुल गांधी की मुलाकात, सदन में इमरजेंसी पर बयानबाजियों पर जताई नाराजगी

राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष के सामने सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं द्वारा संसद में इमरजेंसी पर की गईं टिप्पणियों को लेकर नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा कि यह पूर्ण रूप से राजनीति से प्रेरित था और ऐसा नहीं किया जाना चाहिए था।लोकसभा में विपक्ष नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। राहुल ने सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं द्वारा संसद में इमरजेंसी पर की गईं टिप्पणियों को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा

कि यह पूर्ण रूप से राजनीति से प्रेरित था और ऐसा नहीं किया जाना चाहिए था। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल राव ने इस बारे में जानकारी दी।विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष से की मुलाकात- के सी वेणुगोपाल ने बताया कि 'यह एक शिष्टाचार भेंट थी। राहुल गांधी को विपक्ष का नेता चुने जाने के बाद इंडिया (INDIA) के घटक दलों के नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की।जब कांग्रेस महासचिव से सवाल पूछा गया कि क्या राहुल गांधी ने ओम बिरला के समक्ष सदन में उठाए गए इमरजेंसी के मुद्दे पर बातचीत की? इसके जवाब में वेणुगोपाल ने कहा कि 'हमने सदन के संचालन को लेकर कई मुद्दों पर चर्चा की और इमरजेंसी के मुद्दे पर भी बात हुई।' विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद इमरजेंसी पर बयानबाजी को नजरअंदाज किया जा सकता था। उन्होंने आगे कहा कि यह पूर्ण रूप से राजनीति से प्रेरित था।

## संपादकीय Editorial

# In the grip of by-elections

How much thrill do by-elections cause, now every headline is about revenge. The fear of by-elections of three independents is that if there is no satisfaction, then new lions will come to the arena. The judges of democracy are different, there is no argument in the economy of voting. The voter of Himachal did not want to support in the heat of six by-elections first and now three by-elections, but the field of democracy has to be saved in the hope of rain. Who will come, who will lag behind, far away from this, the boasts of electoral intentions are on the horizon and it seems that the voter is being rubbed between the margins of the two major parties. Someone is threatening another by-election in six CPS cases, while someone is threatening by-election on the pending petition of nine MLAs. We have already warned in these columns that Himachal is now standing on the brink of political instability. One or two more wrong steps will trap us in the grip of unstable politics in such a way that then only elections, by-elections or seats of MLAs will change. Earlier this game was limited to local bodies only, but now neither the issues nor the purpose of elections are left. This is not a matter of the character of the opposition and the government, but also the inability of the society. What else can be expected from the side of itself that the society is handing over to the political leadership. In such a situation, the election campaign, type, episode, conspiracy and circumstances will definitely scare and if voting is done keeping in mind the language in which the apprehension of the next by-elections is being carved, then hardly anyone will win. If this contest is about language, then the arrogance of politics is changing the meaning of being in the society. Democratic faith and accountability is changing. The goal post is changing every time. Will the nine MLAs really go to the field now or is there no conclusion of this behavior in the book of the Constitution. Will the chair and seat of the six chief parliamentary secretaries go or will the sky vine of doubt that grew at the time dry up. Should the voter now start counting that the next fifteen assembly constituencies will come under the purview of by-elections. The voter sees his and the state's future in democratic relief and trust. The fault of the events pushed in the six plus three by-elections is also no less. Now, even going beyond where to start and where to end, if political arrogance is standing with the bow and arrow of the upcoming 'by-elections', then no one can save Himachal from political downfall. The surprising thing is that the reins of every election and by-election are prepared in such an environment where the dustbin of animosity, hatred and moral degradation decides. After all, when will we address the 'young Himachal'. Will we honor those people who wear the crown of achievements on the national stage. Even today, Himachali youth are earning name in the country as reputed doctors, engineers, IT professionals and in the service sector, but apart from them, the world of politics and elections is pampering the unemployed youth with publicity. Will the state become self-reliant due to these by-elections or suspected by-elections? Will the Pong Dam displaced people come to the island of Dehra by-election and get rehabilitated? Will the Nalagarh by-election improve the industrial environment of BBN? Will the Hamirpur by-election discuss the Bilaspur firing incident? I wish we could see this happening, but sadly these by-elections are now snatching away the peace and comfort of our concerns due to the fear of the next by-elections.

# For the first time in Nagaland, 33 percent reservation for women in local body elections

For the first time in this election, provision has been made for 33 percent reservation for women. Due to the strong opposition of local tribal organizations on the issue of women reservation and large scale violence, these elections could not be held for twenty years. Later, due to the signature and strict stand of the Supreme Court, the state government had to pass the Women's Reservation Bill. This election is being held under the supervision of the Supreme Court. Voting will be held for local body elections in the northeastern state of Nagaland on Wednesday, June 26, after about 20 years. But this is nothing new. The new thing is that for the first time in this election, provision has been made for 33 percent reservation for women. Due to the strong opposition of local tribal organizations on the issue of women reservation and large scale violence, these elections could not be held for twenty years. Later, due to the signature and strict stand of the Supreme Court, the state government had to pass the Women's Reservation Bill. This election is being held under the supervision of the Supreme Court. However, even now the most powerful Naga organization of the state, Eastern Naga People's Organization (ENPO) has appealed for boycott of this election. But this time the participation of women has increased a lot. It has appealed to the people of six eastern districts of the state not to participate in this election. It is relevant to mention here that in the recent Lok Sabha elections, not even a single vote was cast in six eastern districts due to the appeal of local organizations. The impact of the organization can be understood from this. State Election Commissioner TJ Long Kumar says - All preparations for peaceful voting have been completed. There were many legal hurdles and challenges in the way of elections. But now they have been removed. The Election Commissioner said that a total of 523 candidates are in the fray in this election. Earlier a total of 670 candidates had filed nominations. But 79 of them withdrew their names and the nomination papers of four were rejected due to incompleteness. 64 candidates have been elected unopposed even before the voting. Among these, the ruling Nationalist Democratic Progressive Party (NDPP) has the highest number of 45 candidates. Apart from this, there are seven candidates from BJP, five from Nationalist Congress Party (BJP), three from Congress, two from Naga People's Front and two independents. Out of the total 418 seats of 39 municipalities and municipal councils in the state, 112 seats are reserved for women. There is a municipal council in Kohima, Dimapur and Mokokchung and a municipal council in the rest. Security arrangements have been strengthened for fair and peaceful voting. For the first time in any election here, the responsibility of security has been given to the state police. According to the Election Commission, out of 530 polling stations in the state, 92 are general, 209 are sensitive and the rest are very sensitive. During the last two decades, there has been heavy violence in the state on this issue. In the year 2017, at least two people were killed in the violence on this issue and there was large-scale vandalism and arson. After that the elections were postponed. Due to the opposition of tribal organizations, then Chief Minister TR Zeliang had to resign from his post. That year, voting for urban body elections was to be held on February 1 in the state. On this occasion, the Naga People's Front (NPF) government led by TR Zeliang, in which BJP was also a partner, approved 33 percent reservation for women. But various Naga organizations started opposing it on a large scale. On the other hand, the women's organization Naga Mothers Association also remained adamant on the demand for reservation citing the decision of the Supreme Court. The conflict started on this. The situation became so uncontrollable that the army had to be deployed in the state and two people died in the violence. Finally, the Governor canceled these elections. In fact, in the year 2012, the Naga Mothers Association, in a petition filed in the Supreme Court, appealed to the court to direct the state government to provide 33 percent reservation to women in urban bodies. After a two-year long hearing, the Supreme Court gave a verdict in its favor in April last year. After this, respecting the decision of the Supreme Court, the government decided to hold elections for these elections. After that, the cabinet gave the green signal to 33 percent reservation for women. Political observers say that Nagaland is the first state in the Northeast where the provision of 33 percent reservation for women has been implemented in any election. Political parties in the state have often been accused of ignoring women. But now this election can set a new example.

# The sea will save future generations from diseases

According to scientists, the marine environment is an extraordinary storehouse of bioactive natural products, many of which are not found in terrestrial natural products. Marine organisms have naturally developed biochemical and specific physiological mechanisms to protect themselves, which include the production of bioactive compounds for purposes such as reproduction, communication and protection from predation, infection and competition. In Hindu Puranas, many types of stories have been given regarding the origin of the sea and it has been said that all types of gems come out of the sea. That is why it is also called "Ratnaakar". Not only gems, but the oceans of this earth are also treasures of countless and extremely useful medicines. According to the scriptures, the nectar that provides immortality and the poison that destroys life were obtained from the churning of the sea by the gods and demons. To discover the treasures inside the sea, the Government of India has launched the "Deep Sea Mission" which is not limited to mineral exploration but also includes the development of marine science and the discovery of flora and fauna and conservation of marine biodiversity etc. The Cabinet Committee on Economic Affairs, chaired by the Prime Minister, approved this proposal of the Ministry of Earth Sciences on 16 June 2021 with a budget of Rs 4077 crore for 5 years. The sea is an extraordinary storehouse of natural products - According to scientists, the marine environment is an extraordinary storehouse of bioactive natural products, many of which are not found in terrestrial natural products. Marine organisms have naturally developed biochemical and specific physiological mechanisms to protect their existence, including the production of bioactive compounds for purposes such as reproduction, communication and protection from predation, infection and competition. Due to the physical and chemical conditions in the marine environment, almost every class of marine organisms possesses a variety of molecules with unique structural features. There is amazing biological diversity in the sea - According to a research paper published in the journal 'Marine Drugs' on 25 May 2004, apart from chemical diversity, the sea is also a storehouse of amazing biological diversity. Out of the 34 basic phyla of life, only 17 phyla are found on land whereas 32 phyla are found in the sea. From the basic point of view of biodiversity, the ocean is much more diverse and in fact has immense possibilities for developing a natural pharmacy. According to the research paper, till now researchers have identified about 7000 marine natural products, of which 25 percent are from algae, 33 percent from sponges, 18 percent from coelenterates (sea whips, sea fans and soft corals), and 24 percent from representatives of other invertebrate phyla. Such as ascidians (also called tunicates), opisthobranch molluscs (nudibranchs, sea hares etc.), echinoderms (starfish, sea cucumbers etc.) and bryozoans (moss animals). "Because we humans live on land, that's where we've always looked," says organic chemist William Fenical, director of the Center for Marine Biotechnology and Biomedicine at the Scripps Institution of Oceanography in La Jolla, California. "But if you ask from the beginning, 'Where should we look?' the answer is always the ocean. Now we're there." More than 100 medicines have been made from the sea so far - Scientists believe that many life-saving drugs can be made from marine organisms in the future. Compounds derived from marine sources are now being tested as treatments for a variety of deadly diseases, including chronic pain, asthma and breast cancer. It turns out that slime is absolutely brilliant at making useful biochemicals. Research over the past several years in medicinal botany has given a major impetus to marine bioprospecting. More than 100 important medicines arise either as direct extracts or as synthetic reconstitution of plant molecules, including aspirin (from willow bark), digitalis (from the flowering herb foxglove), and linoleic acid (from the flowering herb foxglove). These include methylene blue (from seaweed), morphine (from opium poppy) and the anti-malarial drug quinine (from the bark of the cinchona tree). Cancer treatment drug made from algae - Researchers at the Central Salt and Marine Chemicals Research Institute (CSMCRI), Bhavnagar, have developed a method for synthesis of agar-aldehyde from a polysaccharide compound obtained from seaweed and then preparing a solid silver nanocomposite based on it. Researchers say that this method can produce cost-effective silver nanocomposites, which can be helpful in antibacterial coating, manufacturing of reactive materials and developing anti-cancer treatment. Medicines for the treatment of new diseases will be found in the sea - According to Harshad Malve's research paper "Exploring the Ocean for New Drug Developments: Marine Pharmacology" published in the April-June 2016 issue of the National Library of Science Journal, disease patterns are changing and new diseases are emerging due to the changing environment. The massive increase in the world's population has increased the burden on existing resources for medicines. So drug manufacturers are always looking for new resources to develop effective and safe medicines for the growing demands of the world's population. Seventy-five percent of the Earth's surface is covered by water, but pharmaceutical scientists have a long way to go to find new solutions for marine organisms. Research in marine science is limited and much of it still lies unexplored. The marine environment opens the door to the possibilities of countless and diverse resources for new drugs to combat major diseases like cancer or malaria. It also provides an ecological resource consisting of various aquatic plants and animals. These aquatic organisms are investigated for antibacterial, immunomodulatory, anti-fungal, anti-inflammatory, anticancer, antimicrobial, neuroprotective, analgesic and antimalarial properties. They are extensively used for new drug development across the world. Marine pharmacology has immense potential for research on these drugs of marine origin. There are few institutes in India that can contribute significantly in the discovery of new drugs. Actinobacteria as a medicinal gold mine - According to the research paper "Marine Actinobacteria as a Drug Treasure House" by Syed Samsul Hasan and Abdul Latif in the March 2017 issue of the scientific journal "Research Gate", marine actinobacteria are considered a gold mine due to the immense potential of their secondary metabolites. Most of the research now is done on the derived secondary metabolites of actinobacteria to investigate its medicinal properties. Actinobacteria have the potential to treat future important diseases, such as drug-resistant bacteria, cancer, a range of viral diseases, malaria, many infections and inflammation.

# युवकों ने की युवती को अगवा करने की कोशिश, विरोध पर मां-बाप और भाई को मारी गोली

मुरादाबाद। देर रात युवती को अगवा करने आए छह युवकों ने परिजनों के विरोध करने पर तीन लोगों को गोली मार दी। भाई, मां बाप घायल हो गए। पुलिस ने तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तीनों का हाल जानने डीआईजी भी जिला अस्पताल पहुंचे हैं। पीड़ित ने छह लोगों के खिलाफ़ तहरीर दी। जो की सभी गांव के ही रहने वाले है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मूंढापांडे थाना क्षेत्र के समधी शिवपुरी में बुधवार देर का मामला है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर आई, जहां युवती के मां बाप का इलाज अस्पताल में जारी है। वहीं युवती के भाई की हालत नाजुक देख हेयर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी मुनिराज जिला अस्पताल में भर्ती घायलों का हाल जानने के लिए पहुंचे हैं।

## युवती को अगवा करने की कोशिश, विरोध पर मां-बाप और भाई को मारी गोली, धमकी भी दे गए आरोपी

मुरादाबाद में नकाबपोश बदमाशों ने देर रात एक घर में घुसकर युवती को अगवा करने का प्रयास किया। परिजनों के जाग होने पर उन्होंने इसका विरोध कर आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की। इससे गुस्साए बदमाशों ने फायरिंग कर दी। इसमें तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मूंढापांडे थाना क्षेत्र के गांव में बुधवार देर रात करीब तीन बजे एक युवती को अगवा करने के लिए चार युवक तमंचों से लैस होकर घर में घुस गए। परिवार ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने तमंचों से फायरिंग शुरू कर दी। जिससे युवती के भाई, मां बाप गोली लगने से घायल हो गए।उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांव निवासी ग्रामीण की बेटी को करीब एक साल पहले दूसरे समुदाय का युवक बहला फुसलाकर अगवा कर ले गया था। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने युवती को बरामद कर परिजनों को सौंप दी।आरोपी को गिरफ्तार जेल भेज दिया गया था। इसके बाद ग्रामीण ने अपनी बेटी की शादी संभल के एक गांव में कर दी थी। आरोपी भी जेल से जमानत पर छूट गया था।

युवती के परिवार का कहना है कि बुधवार रात परिवार के सभी लोग घर में सो रहे थे। रात करीब तीन बजे चार बदमाश चेहरे पर नकाब लगाकर घुसकर उन्होंने युवती की छोटी बहन को तमंचे के बल पर उठा लिया। उसे युवती के बारे में पूछताछ की। युवती ने शोर मचाया तो उसके मां बाप और भाई व बहन भी जाग गई। बदमाशों ने युवती को अगवा कर ले जाने की कोशिश की। परिवार के विरोध करने पर आरोपी ने तमंचे से युवती के भाई के सीने में गोली मार दी। इसके बाद युवती की मां और बाप को भी गोली मार दी। फायरिंग की आवाज से आस पड़ोस के लोग जाग गए। उन्होंने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की तो वह जंगल की ओर भाग निकले। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और तीनों घायलों को अस्पताल भेज दिया गया। युवती के भाई की हालत गंभीर है।

उसे रेफर कर दिया गया है।युवती की छोटी बहन ने बताया कि उसने एक बदमाश के चेहरे से नकाब खींच लिया था। युवती ने उसकी पहचान आरोपी युवक के तौर पर की है। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पीड़ित परिवार व गांव वालों से पूछताछ की। उनका कहना है कि घटना की जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगी हैं।

# जिले के नए डीएम अनुज सिंह ने संभाला चार्ज, जिला अस्पताल का किया दौरा, मरीजों से की बात

मुरादाबाद के नए जिलाधिकारी अनुज सिंह ने कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक की जिले के बारे में जाना। इसके बाद जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से मरीजों के बारे में जानकारी ली। कहा कि सरकार की तरफ से मिलने वाली सभी सुविधाओं का लाभ मरीजों को मिलना चाहिए। जिलाधिकारी ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बात की।

# गन्ने के खेत में मिला बच्चे का शव, कल दोपहर से था लापता...मौके पर पहुंचे DIG

मुरादाबाद- थाना मूंढापांडे इलाके में गुरुवार को एक बच्चे का शव गन्ने के खेत में मिला। बच्चा बुधवार दोपहर से लापता था। बच्चे की बॉडी मिलने की सूचना पर डीआईजी सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की छानबीन की।मामला मूंढापांडे क्षेत्र के अक्का पांडे से जुड़ा हुआ है। 11 साल का आयुष बुधवार दोपहर दोपहर नहाने के लिए कह कर घर से निकला था। लेकिन, शाम तक जब वह घर नही पहुंचा तो उसके परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। इसकी सूचना थाना मूंढापांडे पुलिस को भी दे दी। रात भर तलाशने के बाद बच्चा परिजनों को नहीं मिल। गुरुवार सुबह किसी ने सूचना दी कि आयुष का शव पास गन्ने के खेत में पड़ा हुआ है। सूचना पर डीआईजी भी घटनास्थल पर पहुंच गए और पूरे मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम को मौके पर बुला ली। डीआईजी ने इस घटना पर जानकारी देते हुए बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

## संक्षिप्त समाचार

### रात से हो रही बारिश से गिरा तापमान, गर्मी से मिली राहत

मुरादाबाद। बुधवार की रात से हो रही बारिश से तापमान में कमी आई। जिससे गर्मी से काफी राहत मिल गई है। गुरुवार सुबह धूप न निकलने से उमस भी कम है। अब मानसून की सक्रियता से बारिश का क्रम जारी रहने का अनुसार मौसम वैज्ञानिक जता रहे हैं। अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान में कमी आई है। अधिकतम तापमान लुढ़क कर 32 डिग्री सेल्सियस हो गया है। सुबह से ही मौसम सुहाना हो गया है। अब लोगों को मानसून की बारिश में भीगने का अवसर मिल रहा है।बारिश के चलते महानगर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति भी आ गई है। रामगंगा विहार कालोनी में सीवरेज पाइपलाइन के लिए खोदे गए गड्ढों में पानी भरने से काम रुक गया है। वहीं सड़क धंसने की आशंका भी लोगों को सता रही है। कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर उत्तराखंड के मौसम वैज्ञानिक आरके सिंह ने बताया कि मानसून लगभग सक्रिय हो गया है।

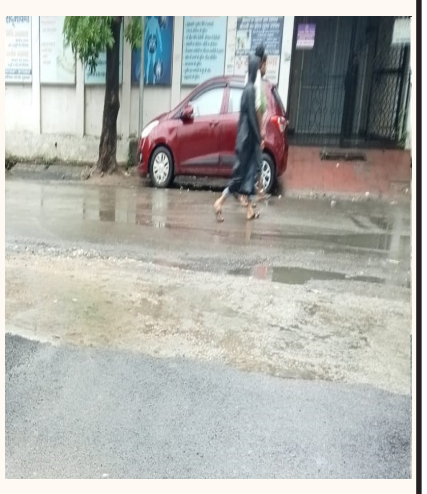

### बीफ बर्गर का अफगानी कनेक्शन: अब मामले में अफगानिस्तानी नागरिक की हुई एंट्री; कहीं कोई बड़ी साजिश तो नहीं?

मुरादाबाद बुधवार को टीमों ने क्षेत्र में पहुंचकर लोगों के बयान दर्ज किए हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हुआ है। जिसके बाद मामला अलग मोड़ लेते दिख रहा है।मुरादाबाद के मुगलपुरा थाना क्षेत्र स्थित अफगान कैफे में ग्राहकों को बीफ बर्गर परोसने के मामले की तह तक जाने के लिए एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। इस पूरे मामले के तार अफगानिस्तान से भी जुड़ रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एक व्यक्ति खुद को अफगानिस्तान का बता रहा है। उसने कैफे में ग्राहकों को परोसे जाने वाले व्यंजनों के बारे में जानकारी दी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि कहीं इसके पीछे कोई बड़ी साजिश तो नहीं?बीफ बर्गर परोसने के मामले में पुलिस के अलावा एलआईयू और अन्य एजेंसियों ने भी जांच शुरू कर दी है। बुधवार को टीमों ने क्षेत्र में पहुंचकर लोगों के बयान दर्ज किए हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हुआ है। जिसके बाद मामला अलग मोड़ लेता दिख रहा है। मुगलपुरा निवासी नावेद ने कुछ दिन पहले ही जामा मस्जिद-प्रिंस रोड पर अफगान नाम से कैफे खोला था।बीफ बर्गर परोसने के मामले में पुलिस के अलावा एलआईयू और अन्य एजेंसियों ने भी जांच शुरू कर दी है। बुधवार को टीमों ने क्षेत्र में पहुंचकर लोगों के बयान दर्ज किए हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हुआ है। जिसके बाद मामला अलग मोड़ लेता दिख रहा है। मुगलपुरा निवासी नावेद ने कुछ दिन पहले ही जामा मस्जिद-प्रिंस रोड पर अफगान नाम से कैफे खोला था।

## बच्चों की परेशानी समझकर उनका हौसला बढ़ाएं अभिभावक, रहें सतर्क

मुरादाबाद। महानगर के मानसिक रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों का कहना है कि अगर आपका बच्चा भी दूसरे शहर में पढ़ाई या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है तो ज्यादा सतर्क रहें। बच्चों से फोन पर संपर्क के दौरान उनकी बातों में गुस्सा, उदासी, चिड़चिड़ापन, मायूसी जैसे संकेत दिखें तो नजरअंदाज न करें। इस बीच उनके दोस्तों से भी संपर्क रखें, जिससे पता चल सके कि कहीं आपके बच्चे की जिंदगी में कोई परेशानी में तो नहीं है। यदि ऐसा हो तो बच्चों से खुलकर बात करें और समझाएं कि कोई समस्या, कोई व्यक्ति या कोई परीक्षा जिंदगी से बढ़कर नहीं है।पिछले काफी दिनों से महानगर के मानसिक रोग विशेषज्ञों के पास दूसरे शहरों में पढ़ाई करने वाले बच्चों के डिप्रेशन के मामले लगातार आ रहे हैं। जिसमें सबसे ज्यादा यूपीएससी व नीट वाले हैं। महानगर में पिछले दिनों दो शिक्षण संस्थानों में दो आत्महत्या के मामले हो चुके हैं। ऐसे में हैं। बच्चों के साथ उनके अभिभावकों की भी आपका बच्चा शहर के बाहर पढ़ रहा है तो बच्चों से से संपर्क बनाएं। इससे तनाव की स्थिति में भी बच्चे अगर आप अपने बच्चें की परेशानी समझकर उसका है।कोटा से बेटे को वापस ले आए पिता- महानगर के परिवार का 20 वर्षीय बेटा कोटा में रहकर नीट की वह डिप्रेशन में आ गया। फोन पर बातचीत के दौरान गए। दोस्तों ने बताया कि पूरा दिन कमरे में बंद रहने मुरादाबाद ले आए। मानसिक रोग विशेषज्ञ ने बताया अभिभावक दिल्ली पहुंचे तो रोने लगा बेटा- थाना का बेटा तीन साल से दिल्ली में रहकर प्रतियोगी परीक्षा लेकिन अचानक उसने माता-पिता का फोन नहीं उठाया। इस पर अभिभावकों ने छात्र के दोस्तों से बात की पता चला कि वह कुछ दिन से क्लास में चुप बैठा रहता है। ग्रुप स्टडी में भी शामिल नहीं होता। यह स्थिति भांपकर अभिभावक दिल्ली पहुंचे तो बेटा उनसे को लिपटकर रोने लगा। अभिभावक उसे मुरादाबाद ले आए। जिसके बाद मानसिक रोग विशेषज्ञ से उसका इलाज चल रहा है। छात्रों के आत्महत्या के मामले पढ़ाई का प्रेशर और लव अफेयर के कारण सामने आ रहे हैं। आत्महत्या रोकने में माता-पिता और दोस्त ही सहायक हो सकते हैं। बच्चों को भी एक दूसरे के माता-पिता से संपर्क में रहना जरुरी है। जिससे परेशानियां साझा हो सकें। बाहर पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों को उनसे मिलने जरूर जाना चाहिए। -डॉ. नीरज गुप्ता, मानसिक रोग विशेषज्ञ अगर कोई छात्र व छात्रा आत्महत्या करता है तो वह एक दिन में नहीं होती। यह ख्याल मन में कई दिन से चल रहा होता है। दोस्तों व माता-पिता को इसके संकेत समझकर समय रहते बातचीत करते रहना चाहिए। अगर आप के बच्चें में कुछ परेशानी दिखे तो उसे नजर अंदाज न करे।- डॉ. दिशांतर गोयल, मानसिक रोग विशेषज्ञ

मानसिक रोग चिकित्सक इन मरीजों को गंभीरता से ले रहे काउंसिलिंग कर रहे है। चिकित्सकों का कहना है कि अगर अभिभावक हर 40 से 45 दिन में मिलने जाएं। उनके दोस्तों को आत्महत्या जैसे गलत ख्यालों से बचाने में मदद मिलेगी। हौसला बढ़ाएंगे तो इस तरह की घटना से बचा जा सकता सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की रामगंगा विहार में रहने वाले तैयारी कर रहा है। दो साल से उसका चयन नहीं हो पाया तो पिता को स्थिति ठीक नहीं लगी तो वह उससे मिलने पहुंच लगा है। लाइब्रेरी में आना भी छोड़ दिया है। पिता उसे वापस कि छात्र अवसाद में है। उसका इलाज शुरू कराया गया है। गलशहीद क्षेत्र के हरपाल नगर में रहने वाले वाले परिवार की तैयारी कर रहा था। माता-पिता से रोज बात होती थी,

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

## टीएमसी विधायकों को शपथ लेने से नहीं रोक सकते राज्यपाल, ममता बनर्जी का सीवी आनंद बोस पर निशाना

पश्चिम बंगाल में टीएमसी के दो नव-निर्वाचित विधायक विधानसभा में ही शपथ ग्रहण समारोह पर अड़े हैं। उधर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि राज्यपाल के पास विधायकों को शपथ ग्रहण से रोकने का कोई अधिकार नहीं है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर हंगामा मचा हुआ है। इस लेकर टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर निशाना साधा है। ममता बनर्जी का राज्यपाल पर निशाना- ममता बनर्जी ने कहा कि राज्यपाल के पास शपथ ग्रहण प्रक्रिया को रोकने का कोई अधिकार नहीं है। इसके साथ ही टीएमसी प्रमुख ने कहा कि उन्हें एक महिला से कुछ शिकायतें मिलीं हैं। महिला ने दावा किया है कि कुछ घटनाएं सामने आने के बाद उन्हें राजभवन जाने में असुरक्षित महसूस होता है। ममता बनर्जी ने कहा 'एक महीना बीतने को है लेकिन मेरी पार्टी के विधायकों सायंतिका बंदोपाध्याय और रेयात हुसैन सरकार शपथ नहीं ले पा रहे हैं। राज्यपाल द्वारा शपथ ग्रहण में बाधा डाली जा रही है। विधायकों को जनता ने चुना है ना कि राज्यपाल ने। राज्यपाल के पास विधायकों को शपथ लेने से रोकने का कोई अधिकार नहीं है।' विधानसभा अध्यक्ष को अधिकृत करें राज्यपाल'- ममता बनर्जी ने कहा कि हर किसी को राजभवन जाने की क्या आवश्यकता है? राज्यपाल द्वारा विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को शपथ ग्रहण के लिए अधिकृत किया सकता है। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि कुछ महिलाओं द्वारा जानकारी दी गई है कि हाल ही में घटी कुछ घटनाओं की की वजह से उन्हें राजभवन जाने में डर लगता है। आपको बता दें कि कुछ समय पहले राजभवन में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी ने आरोप लगाया था कि उनके साथ छेड़छाड़ की

## वोक्कालिगा महंत ने सिद्धरमैया से पद छोड़ने की अपील की, कहा- शिवकुमार को सौंपी जाए सत्ता

विश्व वोक्कालिगा महासमस्तन मठ के महंत कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामीजी ने बेंगलुरू के संस्थापक केम्पेगौड़ा की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री की मौजूदगी में शिवकुमार के पक्ष में आवाज उठाई।सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर जारी सत्ता संघर्ष के बीच वोक्कालिगा समुदाय से ताल्लुक रखने वाले एक महंत ने सार्वजनिक रूप से कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया से पद छोड़ने और राज्य के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को सत्ता सौंपने का आग्रह किया। महंत की यह अपील ऐसे समय में आई है, जब सिद्धरमैया मंत्रिमंडल में तीन और उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग बढ़ रही है। मांग की जा रही है कि वीरशैव-लिंगायत, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों से एक-एक

उपमुख्यमंत्री बनाया जाए।विश्व वोक्कालिगा महासमस्तन मठ के महंत कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामीजी ने बेंगलुरू के संस्थापक केम्पेगौड़ा की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री की मौजूदगी में शिवकुमार के पक्ष में आवाज उठाई। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष और राज्य के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से हैं। यह समुदाय राज्य के दक्षिणी भागों में एक प्रमुख समुदाय है।चंद्रशेखरनाथ स्वामीजी ने कहा, राज्य में हर कोई मुख्यमंत्री बन गया है और सत्ता का सुख सभी ने भोगा है, लेकिन हमारे डी के शिवकुमार अभी तक मुख्यमंत्री नहीं बन पाए हैं, इसलिए अनुरोध है कि सिद्धरमैया कृपया हमारे डी के शिवकुमार को सत्ता सौंप दें और उन्हें आशीर्वाद दें। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, सिद्धरमैया अगर मन बना लें तो ही यह संभव है, अन्यथा नहीं, इसलिए नमस्कार के साथ मैं सिद्धरमैया से अनुरोध करता हूं कि वह डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाएं।सिद्धरमैया ने बाद में संवाददाताओं से बातचीत में महंत की अपील पर पूछे गए सवाल पर कहा, कांग्रेस में आलाकमान होता है और जो भी आलाकमान कहेगा, हम उसका पालन करेंगे। शिवकुमार ने कहा, बातें कही जा चुकी हैं... हम दोनों (वह और सिद्धरमैया) राज्य की परियोजनाओं (केंद्र से स्वीकृति लंबित) के संबंध में राज्य के सांसदों से चर्चा करने के लिए नयी दिल्ली जा रहे हैं।

## स्वर्ण मंदिर में योग को लेकर फैशन डिजाइनर को धमकी, अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी

वडोदरा की एक फैशन डिजाइनर को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गुरुवार को अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। फैशन डिजाइनर अमृतसर के स्वर्ण मंदिर परिसर में 21 जून को योग करने के बाद से आपराधिक मामले का सामना कर रही हैं। ताजा वीडियो में अर्चना मकवाना ने कहा कि एसजीपीसी की ओर से मेरे खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निराधार है। मंदिर में कहीं भी यह नहीं लिखा था कि इस तरह के काम की अनुमति नहीं है। मैं पहली बार वहां गई थी। अगर मुझे बताया गया होता तो मैं उन तस्वीरों को तुरंत हटा देती। एसजीपीसी डिजाइनर और सोशल मीडिया मकवाना ने एक ताजा वीडियो मकवाना ने कहा कि उन्होंने कुछ और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंध को उनके खिलाफ धार्मिक शिकायत वापस लेनी चाहिए। मुकदमा- एक अधिकारी ने में उनकी शिकायत के आधार (आईपीसी) की धारा 507 आपराधिक धमकी) के तहत पुलिस थाने में एक प्राथमिकी पुलिस ने इस मामले को रखा है। इसलिए राज्य के गृह

ने दर्ज कराई शिकायत- इंफ्लुएंसर अर्चना बयान जारी किया। इसमें भी गलत नहीं किया है समिति (एसजीपीसी) भावनाएं आहत करने की करेलीबाग थानें दर्ज हुआ बताया कि धमकी के बारे पर भारतीय दंड संहिता (गुमनाम संचार द्वारा बुधवार रात करेलीबाग दर्ज की गई। उन्होंने कहा, संवेदनशील श्रेणी में विभाग की वेबसाइट पर प्राथमिकी को जनता नहीं देख सकती है। %तस्वीरें वायरल होने के बाद मिली धमकी- पुलिस उपायुक्त पन्ना मोमाया ने कहा, उन्होंने (अर्चना मकवाना) ने दावा किया कि स्वर्ण मंदिर में उनके शीर्षासन करने की तस्वीरें वायरल होने के बाद अज्ञात लोगों ने ईमेल, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए उन्हें जान से मारने की धमकी। प्राथमिकी में किसी संदिग्ध का नाम शामिल नहीं है। मंदिर के परिक्रमा पथ पर किया था योग- मकवाना 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्वर्ण मंदिर पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने परिक्रमा पथ पर योग किया था। उनके योग करने की तस्वीरें जल्द ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। दो दिन बाद एसजीपीसी ने उनके खिलाफ कथित तौर पर धार्मिक भावनाएं आहत करने की शिकायत दर्ज कराई और पंजाब पुलिस ने संबंधित धाराओं में मकवाना के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। इसके बाद मकवाना ने वीडियो जारी कर यह कहते हुए माफी मांगी कि उनका इरादा किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का नहीं था। वडोदरा पुलिस ने अर्चना को सुरक्षा प्रदान की- इसके बाद उन्हें धमकियां मिलनी शुरू हो गईं। फिर 24 जून को वडोदरा पुलिस ने उन्हें सुरक्षा प्रदान की। सोशल मीडिया पर जारी ताजा वीडियो में मकवाना ने एसजीपीसी से अपने खिलाफ शिकायत वापस लेने को कहा है। ताजा वीडियो में अर्चना मकवाना ने क्या कहा- वीडियो में मकवाना ने कहा, जब मैंने यो किया तब हजारों सिख श्रद्धालु वहां मौजूद थे। यहां तक कि मेरी तस्वीरें क्लिक करने वाला व्यक्ति भी सिख था और मंदिर के सेवादारों ने उसे नहीं रोका। वहां मौजूद और मुझे योग करते देख रहे लोगों की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंची। इसलिए मेरा मानना है कि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने कहा, समस्या तब शुरू हुई जब भारत के बाहर कुछ लोगों ने उनकी तस्वीरें वायरल करते हुए कहा कि उनके कृत्य से लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। मेरे खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निराधार: अर्चना मकवाना- उन्होंने कहा, मेरा इरादा बुरा नहीं था। एसजीपीसी की ओर से मेरे खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निराधार है। मंदिर में कहीं भी यह नहीं लिखा था कि इस तरह के काम की अनुमति नहीं है। मैं पहली बार वहां गई थी। अगर मुझे बताया गया होता तो मैं उन तस्वीरों को तुरंत हटा देती। मैं चाहती हूं कि एसजीपीसी अपनी प्राथमिकी वापस ले। वरना मैं और मेरी कानूनी टीम इस मुकदमे को लड़ने के लिए तैयार हैं।

## विदेशी राजदूतों ने की राष्ट्रपति के अभिभाषण की तारीफ, कहा- आर्थिक ताकत के रूप में विकसित होगा भारत

संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण को सुनने के लिए विभिन्न देशों के प्रतिनिधि संसद पहुंचे। विदेशी राजदूतों ने राष्ट्रपति के अभिभाषण की तारीफ की और उसे बहुत शानदार बताया। संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण की गुरुवार को विदेशी राजदूतों ने तारीफ की। डेनमार्क के राजदूत फ्रेडी स्वेन ने अभिभाषण को शानदार बताया। उन्होंने कहा कि उनका देश भारत को एक मजबूत आर्थिक ताकत के रूप में विकसित होते देखने के लिए उत्सुक है।संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू के अभिभाषण के बारे में पूछे जाने पर स्वेन ने कहा, यह शानदार था। यहां क्या किया जाना है, इसको लेकर एक लंबा एजेंडा है। हम भारत को इस दुनिया की एक मजूबत आर्थिक शक्ति के रूप में बढ़ते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। यह एक बहुत बड़ी बात है। राष्ट्रपति मुर्मू के अभिभाषण को सुनने के लिए विभिन्न देशों के प्रतिनिधि संसद पहुंचे। इस्त्राइल के राजदूत नोर गिलन, सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग और अन्य देशों के राजदूत संसद पहुंचे। अधिकारियों ने संसद पहुंचने पर राजनयिकों का स्वागत किया। अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रपति ने आश्वासन दिया कि आगामी संसद सत्रों में प्रमुख आर्थिक और सामाजिक फैसलों और ऐतिहासिक कदमों का एलान केंद्रीय बजट के दौरान किया जाएगा। उन्होंने कहा, देश में छह दशक बाद पूर्ण बहुमत के साथ एक स्थिर सरकार बनी है। लोगों ने तीसरी बार इस सरकार में भरोसा दिखाया है। लोग जानते हैं कि केवल यह सरकार ही उनकी आकांक्षाओं को पूरा कर सकती है। 18वीं लोकसभा कई मायनों में ऐतिहासिक है। इस लोकसभा का गठन अमृतकाल के शुरुआती वर्षों में हुआ था। यह लोकसभा देश के संविधान को अंगीकार किए जाने के 56वें वर्ष की गवाह भी होगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, आगामी सत्रों में यह सरकार इस कार्यकाल का पहला बजट पेश करने जा रही है। ये बजट सरकार की दूरगामी नीतियों और भविष्योन्मुखी दृष्टि का प्रभावी दस्तावेज होगा। बड़े आर्थिक और सामाजिक फैसलों के साथ-साथ इस बजट में कई ऐतिहासिक कदम भी देखने को मिलेंगे। डेनमार्क के राजदूत ने संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण को शानदार बताया और कहा कि उनका देश भारत को दुनिया में एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में विकसित होते हुए देखने के लिए उत्सुक है। स्लोवाकिया के राजदूत रॉबर्ट मैक्सियन ने कहा, आज राष्ट्र के भाषण को सुनना सौभाग्य की बात थी। हम अपने व्यापार और निवेश को बढ़ाकर भारत के साथ अपने सहयोग को और गहरा करना चाहते हैं। वहीं, फिलीपींस के राजदूत जोसेल फ्रांसिस्को ने कहा, हमें बहुत गर्व है कि राष्ट्रपति ने भारत के साथ हमारी ब्रह्मोस परियोजना का जिक्र किया, जो हमारे द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। 75वां साल है और भारत व फिलीपींस के संबंध बहुत अच्छे चल रहे हैं।

## कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में कलेक्टर श्री रोहित व्यास की अध्यक्षता में आज स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक रखी गई थी। जिसमें स्वास्थ्य प्रणाली को और मजबूत बनाने के लिए उपस्थित संबंधित अधिकारी व डॉक्टरों से

विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में आयुष्मान हेल्थ कार्ड को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें जिले के समस्त पात्र नागरिकों को आयुष्मान हेल्थ कार्ड के साथ जोड़ने की बात कही गई। इसके साथ ही गैर संचारी रोग ब्लड प्रेशर, शुगर इत्यादि की कार्ययोजना बनाकर शत प्रतिशत ट्रेसिंग करने पर विशेष फोकस करने के लिए लिये कहा गया। बैठक में संस्थागत प्रसव को लेकर भी चर्चा की गई। जिसमें स्वास्थ्य केंद्रों मे हो रहे प्रसव के आकड़ों पर जानकारी लेते हुए उपलब्ध सुविधाओं को और भी प्रभावी तरीके से संचालित करने के निर्देश उपस्थित संबंधित को दिये गये। इसके साथ ही संस्थागत प्रसव शत प्रतिशत करने के लिए मिशन मोड पर कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. अजय मरकाम, डीपीएम डॉ. प्रिंस जायसवाल व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

## बाबा अमरनाथ के दर्शन को जा रहे जत्थे को पटका पहनाकर किया रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। अंतर्राष्ट्रीय कायस्थ परिवार के तत्वावधान में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उपमेंद्र सक्सेना एडवोकेट के नेतृत्व में बरेली जंक्शन पर बाबा अमरनाथ यात्रा पर जा रहे जत्थे को पटका पहनाकर एवं तिलक लगाकर रवाना किया गया और उनकी सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर नीरज सक्सेना एवं अतुल सक्सेना सहित जत्थे में शामिल 42 सदस्यों का दल आज बरेली जंक्शन से अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हो गया। नीरज सक्सेना ने बताया कि वह नियमित 10 वर्षों से सैकड़ो भक्तों को अपने साथ बाबा अमरनाथ के दर्शन को ले जाते रहे हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश जौहरी ने जत्थे में शामिल सभी भक्तों को पटका पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश संगठन मंत्री शंकर लाल, पूर्व पार्षद महेश पंडित,कुलदीप वर्मा, शेफाली सक्सेना, शंकर स्वरूप सक्सेना, आदेश सैनी एवं अनुज सक्सेना आदि सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश ( Birthday, anniversary, any kind of message ) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

### त्योंथर पूर्व छेत्र बिद्युत वितरण कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड से किसान हुआ परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच -आलोक मिश्रा

त्योंथर पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी प्राइवेट लिमिटेड त्योंथर मे हमेशा सुर्खियों मे रहता है 3-9-2023 को जला ट्रांसफार्मर क़ आवेदन किसान राधेश्याम रेही द्वारा त्योंथर मे किया गया था लेकिन आज दिनांक तक कोई भी किसी भी प्रकार क़ विभाग द्वारा कोई भी निराकरण नहीं किया गया एक तो अगर समय से ट्रांसफार्मर नहीं बदला तो किसान राधेश्याम का कहना है खेती करने से वंचित रह

जाएंगे जिससे परेशान होकर किसान द्वारा सीएम हेल्पलाइन मे भी शिकायत किया गया जो शिकायत नम्बर 26963119 उसके बाद मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर मे भी 1912 मे शिकायत किया किसान राधेश्याम तिवारी रेही थाना जनेह तहसील त्योंथर जिला रीवा मध्यप्रदेश का पुश्तैनी निवासी हैं इसके खेत मे मुख्यमंत्री अनुदान के तहत ट्रांसफार्मर लगा था जो कि दिनांक 03-09-2024 को जल गया है जिसकी शिकायत कई बार राधेश्याम द्वारा बिभाग मे गई लेकिन आज दिनांक तक विभाग द्वारा किसी भी प्रकार का निराकरण नहीं किया अगर समय रहते निराकरण नहीं हुआ तो किसान खेती करने से वंचित रह जाएगा अब देखने वाली बात यह होगी विभाग द्वारा किसान की पीड़ा सुनते हैं या नहीं....

### मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने रेवती रमण महाविद्यालय सूरजपुर में कीबो एक्स.एस. कीट का किया गया उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- रेवती रमण महाविद्यालय सूरजपुर के हिन्दी शाखा में नेत्रहीन दिव्यांगजनों के लिए स्थापित कीबो एक्स.एस. डिवाईस का आज महिला एवं बाल विकास व समाज कल्याण विभाग की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा उद्घाटन

किया गया है। यह डिवाइस दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए स्थापित किया गया है, ताकि दृष्टिबाधित व्यक्ति पुस्तक में अंकित शब्दों को इस डिवाइस के माध्यम से ऑडियो फॉर्मेट में कन्वर्ट कर अपने ज्ञान के संवर्धन कर सकें। इसके साथ ही हितग्राही किसी भी किताब को स्कैन कर इसका ट्रांसलेशन कर किसी भी भाषा में सुन सकते है और ज्ञान अर्जित कर सकतें है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण .आई.सी. डी.आई.ओ. श्री रोहन सिंह, उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती बेनेदिक्ता तिर्की व अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

### नवीन न्याय संहिता, संविधान द्वारा दिए गए सभी अधिकारों की करेगी रक्षा - संभागायुक्त श्री गोविंद राम चुरेंद्र

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- 1 जुलाई 2024 को नवीन न्याय संहिता लागू होने वाली है। जिसके संबंध में आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में बार एसोसिएशन के सदस्य गण की उपस्थिति में सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में संभागायुक्त श्री गोविंद राम चुरेंद्र भी उपस्थित थे। जिन्होंने भारतीय न्याय

संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 व भारतीय साक्ष्य संहिता 2023 के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। सेमिनार में उन्होंने सार्थक बातचीत, विचार विमर्श और प्रश्नोत्तर के माध्यम से नवीन कानून की मुख्य विशेषताओं को उपस्थित जनों के समक्ष रखने का प्रयास किया। सेमिनार में उन्होंने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि नवीन न्याय संहिता, संविधान द्वारा दिए गए सभी अधिकारों की रक्षा करेगी और सभी को न्याय मिले इस बात पर बल देगी। बैठक में जिला पंचायत अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थिति थे।

# चित्रकला कार्यशाला के समापन पर सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में ग्रीष्म कालीन चित्रकला कार्यशाला, चित्रकला प्रदर्शनी एवं सम्मान समारोह का आयोजन एडवोकेट कुलदीप वर्मा के संयोजन में साहू रामस्वरूप धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा संचालित स्थानीय चंद्रावती सूरज औतार पब्लिक स्कूल में किया गया जिसके मुख्य अतिथि सी.ए. मनोज मंगल सचिव साहू रामस्वरूप धर्मार्थ ट्रस्ट, बरेली रहे। विशिष्ट अतिथिगण प्रधानाचार्या डॉ. अर्चना जौहरी, हेड ऑफ़ डिपार्मेंट डॉ. गीता अग्रवाल , कवि रोहित राकेश, गीतकार एवं अधिवक्ता उपमेंद्र सक्सेना, संगीतज्ञ नीलिमा रावत , प्रदीप रावत, डॉ. धीरेंद्र शर्मा प्रधानाचार्य शान्ति अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज, बरेली, उद्यमी शांतनु सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना एवं मां शारदे के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य प्रशिक्षक कमल किशोर शर्मा एवं प्रेरणा चौहान, एकाउंटेंट सीमा पाठक एवं अनुज कुमार सहित सभा में मौजूद सभी अतिथियों एवं

गणमान्य व्यक्तियों को अंग वस्त्र, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

,बीस दिवसीय कार्यशाला में उत्तम सहयोग के लिए चंद्रावती सूरज औतार पब्लिक स्कूल के स्टाफ सहित कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले सभी बच्चों को उनके उत्कृष्ट चित्रकला प्रदर्शन पर मंच द्धारा मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अभिभावक गण नवीन कुमार, अंसुल, रवि जेम्स दयाल, अभिषेक नमन, अनमोल, अभिषेक अग्निहोत्री, आरोही रावत, चित्रकार प्रिया सक्सेना एवं दीप शिखा सक्सेना, सूरज पाल मौर्य एडवोकेट, बिंदू पटेल, अनुष्का सिंह, सिद्धांत प्रताप गुप्ता, अलिशिवा आदि भारी संख्या में छात्र छात्राएं एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन ज्योतिषाचार्य भारत सक्सेना ने किया।अंत में कार्यक्रम संयोजक कुलदीप वर्मा द्वारा ललित कला अकादमी के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम, निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला व संस्कृति निदेशालय के निदेशक शिशिर की ओर से सभी के प्रति आभार प्रकट किया गया।

# 'श्रीलंका में गिरफ्तार भारतीय मछुआरों की वतन वापसी के लिए हम प्रतिबद्ध', तमिलनाडु के CM को जयशंकर का जवाब

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन को लिखे पत्र में बताया कि भारत सरकार श्रीलंका में फंसे सभी मछुआरों की सुरक्षित वापस के लिए कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय मछुआरों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।कुछ दिन पहले श्रीलंकाई नौसेना ने भारत के दस मछुआरों को द्वीप राष्ट्र के समुद्री क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया था। अब इन सभी भारतीय मछुआरों पर श्रीलंकाई नौसेना के एक नाविक की मौत के सिलसिले में मामला दर्ज किया जाएगा। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा अब तक की गई अलग अलग कार्रवाईयों में तमिलनाडु के कई मछुआरों को हिरासत में लिया गया है। इसे लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखा था। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी स्टालिन को जवाबी पत्र भेजकर जानकारी दी है भारतीय मछुआरों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च

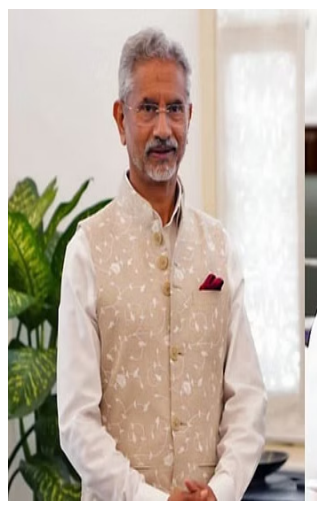

प्राथमिकता'- विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पत्र में लिखा है कि भारत सरकार श्रीलंका में फंसे सभी मछुआरों की सुरक्षित वापस के लिए कोशिश कर रही है। विदेश मंत्री के अनुसार 'श्रीलंकाई नौसेना द्वारा अलग अलग कार्रवाईयों में 40 भारतीय मछुआरों को पकड़ा गया है। इनमें से 34 मछुआरे न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि छह अन्य मछुआरे श्रीलंका की जेलों में सजा काट रहे हैं। कोलंबो स्थित भारतीय दूतावास और जाफना स्थित वाणिज्य दूतावास सभी मछुआरों की जल्द रिहाई पर काम कर रहे हैं। हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि सभी भारतीय मछुआरों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।'श्रीलंका की नौसेना ने क्या कहा था? श्रीलंका की नौसेना ने कहा है कि भारतीय जहाजों पर कार्रवाई के दौरान श्रीलंकाई नाविक पर हमला किया गया था। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। आगे बताया गया है कि जाफना के एक अस्पताल में इलाज के दौरान श्रीलंकाई नौसेना के नाविक की मौत हो गई। इस मामले में भारत के दस मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है। श्रीलंकाई नौसेना के अनुसार सभी मछुआरे तमिलनाडु से द्वीप राष्ट्र समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ने आए थे।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

## संक्षिप्त समाचार

### अंगद आत्महत्या मामला: फ्रीजर में रखा गया शव, कनाडा से पिता के पहुंचने पर होगा अंतिम संस्कार

रामराज के मोहल्ला मायानगर में बुधवार को सन्नाटा पसरा रहा। बीच-बीच में रोने की आवाजें सन्नाटे को चीरती रहीं। पिता के डांटने पर खुदकुशी करने वाले अंगद के घर भीड़ लगी थी। हर कोई परिजनों को दिलासा दे रहा था। दोपहर साढ़े तीन बजे पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही अंगद का शव पहुंचा तो चीत्कार मच गई। उसका आठ

साल का भाई रुद्र बार-बार कह रहा था कि मां, भाई को क्या हुआ, यह बोल क्यों नहीं रहे। बच्चे की हालत देखकर मां पूजा बेहोश हो गईं। फिलहाल शव को फ्रीजर में रख दिया है। अंगद के पिता नितिन राठी कनाडा से लौटेंगे तब अंतिम संस्कार होगा।रामराज के मोहल्ला मायानगर निवासी नितिन राठी उर्फ बब्बू के दो पुत्र अंगद ( 14 ) व रुद्र ( 8 ) वर्ष थे। अंगद कक्षा दसवीं में पढ़ता था। नितिन राठी का रामराज में ही चौधरी ट्रांसपोर्टर के नाम से कारोबार है। बताया गया कि कारोबार में नुकसान के चलते वह 15 दिन पूर्व ही कनाडा में नौकरी करने गए थे।मंगलवार देर शाम नितिन ने कनाडा से फोन कर बेटे अंगद को मोबाइल फोन का अधिक इस्तेमाल करने पर डांट लगाई थी और पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा था। डांट से क्षुब्ध किशोर ने पिता के लाइसेंसी रिवॉल्वर से सिर में गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर कमरे की तरफ दौड़े परिजनों ने खून से लथपथ अंगद को देखा तो उनके होश उड़ गए। उसे मेरठ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। बुधवार को परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। हालत खराब होने पर रुद्र को रिश्तेदार पड़ोसी के घर ले गए।जेब से मिला था सुसाइड नोट- पुलिस को छात्र की जेब से सुसाइड नोट मिला है। इसमें उसने पिता पर नई बाइक और नया मोबाइल न दिलाने की बात कही है। इसके चलते वह जीना नहीं चाहता। इसी से तंग आकर वह आत्महत्या कर रहा है।पिता कनाडा से हुए रवाना- ट्रांसपोर्टर नितिन राठी उर्फ बब्बू 15 दिन पूर्व ट्रांसपोर्ट का काम सीजनली होने के कारण नौकरी करने के लिए कनाडा गए थे। बताया गया कि वह कनाडा से बेटे की मौत की सूचना से स्वदेश के लिए रवाना हो गए हैं। बुधवार देर रात वह रामराज पहुंच जाएंगे। इसके बाद ही मृतक अंगद का अंतिम संस्कार किया जाएगा।मृतक अंगद की जेब से बरामद सुसाइड नोट की जांच की जा रही है। मृतक अंगद की कॉपियों की हैंडराइटिंग से उसका मिलान किया जाएगा। - संतोष कुमार, थाना प्रभारी, बहसूमा

# विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के लिए शिक्षा है सबसे अहम - श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, पूर्व गृहमंत्री श्री रामसेवक पैकरा, श्री राजेश अग्रवाल, श्री अजय अग्रवाल, श्री बिहारी कुलदीप, श्री लवकेश पैकरा, श्री बिज्जु दासन एवं श्री राजेश्वर तिवारी, संभागायुक्त श्री गोविंद राम चुरेंद्र, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, जिला शिक्षा अधिकारी श्री रामललित पटेल, जिला मिशन समन्वयक श्री शशिकांत सिंह, सहायक संचालक शिक्षा श्री रविन्द्र देव सिंह एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत उपस्थित सभी प्रज्जवलित कर किया गया। नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत तत्पश्चात् सूरजपुर जिले अंतर्गत शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले के माध्यम से किया गया। जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में किए गए किया गया। कस्तूरबा गांधी की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत बच्चों के साथ-साथ उनके पालकों का भी सम्मान किया बच्चों को भी सम्मानित किया गया और उन्हें इलेक्ट्रॉनिक विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कार्यक्रम में उपस्थित धन्यवाद ज्ञापित किया और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्वपूर्ण भविष्य निर्माण के लिए शिक्षा सबसे अहम है। यदि स्कूली

हुए बच्चों को मन से पढ़ायेंगे तो निश्चित ही हमारे बच्चे जिले के नाम को गौरवांवित करेंगे। कार्यक्रम में पूर्व गृहमंत्री श्री रामसेवक पैकरा भी उपस्थित थे, उन्होंने विद्यार्थियों व अन्य उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान को भी अपने में आत्मसात करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विद्या एक ऐसी चीज है, जिसे कोई चुरा नहीं सकता। सभी शिक्षा अर्जित करते रहें और आगे बढ़ते रहें। सरगुजा संभागायुक्त श्री गोविंद राम चुरेंद्र ने जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि स्कूलों में बच्चों की नियमित उपस्थिति हो, इसके लिए प्रत्येक 01 से 02 माह में शिक्षक पालक बैठक रखने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने जिले वासियों से अपील की कि शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिये सक्षम लोग आगे आये और सहयोग करें और शिक्षा के इस सत्र को सफल बनायें। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को शिक्षा सत्र के शुरू होने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि विद्यार्थी जीवन में विद्या अर्जन करना ही प्रत्येक विद्यार्थी का प्रथम कर्तव्य होना चाहिये। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन का प्रथम लक्ष्य शासकीय विद्यालय के स्तर में सकारात्मक बदलाव लाना और उसे उत्कृष्ट बनाना है।उन्होंने आगे कहा जिले के सभी शिक्षक सक्षम हैं और आने वाले समय में सार्थक प्रयासों और नवाचार के माध्यम से निःसंदेह, शिक्षा के क्षेत्र में सूरजपुर जिले का परिणाम व प्रदर्शन उत्कृष्ट होगा। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में दिव्यांग बच्चों को सामग्री वितरण किया गया।

# पत्नी पर हमले से आगबबूला युवक ने साले के सिर को ईंट से कूचा, सड़क पर चलता रहा खूनी संघर्ष

अमेठी कोतवाली परिसर में हुए एक पारिवारिक संघर्ष में भाई ने बहन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया जिससे बौखलाए उसके बहनाई ने युवक का सिर ईंट से कूंच दिया।अमेठी कोतवाली परिसर के पास बने सामुदायिक शौचालय में घंटों खूनी संघर्ष होता रहा लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। सूचना पर पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक सीएचसी में भर्ती करवाया। जहां उसका और उसकी बहन का इलाज किया जा रहा है। बीचबचाव करने का साहस न जुटा मीडिया पर वायरल हो रहा है।अमेठी शौचालय संचालित होता है। संचालित करता है। जो अपने पूरे आवास में रहता है। देर रात करीब शेरू के साथ घर पहुंची। जहां किसी सनी से विवाद हो गया। देखते ही ने बहन पर किसी धारदार हथियार सीमा गंभीर रूप से घायल हो गई खून से लथपथ तड़पता देख पति सनी को छत से किसी तरह घसीटता उसके सिर को ईंटों से कूंच दिया। खूनी संघर्ष चलता रहा लेकिन पर नहीं पहुंची। घटना के दौरान छोटी जद्दोजहद करती रहीं लेकिन कामयाब तीन सिपाही मौके पर पहुंचे और सनी से उसे इलाज के बाद जिला

घटना के समय मोहल्ले के लोग सके। घटना का वीडियो सोशल कोतवाली परिसर के एक छोर पर सुलभ शौचालय को सूरज नाम का व्यक्ति परिवार के साथ शौचालय के ही एक 11 बजे सूरज की बेटी सीमा अपने पति बात को लेकर सीमा का अपने भाई देखते विवाद इतना बढ़ गया कि सनी से हमला कर दिया। भाई के हमले में और बीच सड़क तड़पने लगी।पत्नी को शेरू ने अपना आपा खो दिया और साले हुआ नीचे पहुंचा और बीच सड़क पर करीब एक घंटे तक बीच सड़क पर घटनास्थल से 50 कदम दूर पुलिस मौके छोटी बच्चियां बीचबचाव करने की न हो सकीं। काफी देर बाद थाने के को लेकर अमेठी सीएचसी पहुंचे जहां अस्पताल में रेफर कर दिया गया। जबकि बहन का इलाज भी सीएचसी में चल रहा है। घटना को अंजाम देकर जीजा मौके से फरार हो गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बताया जा रहा है कि जिस समय ये विवाद हुआ उस समय जीजा और साला शराब के नशे में धुत थे। आये दिन दोनों में किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता रहता था। कोतवाली प्रभारी अमर सिंह ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवा दिया गया है। मेडिकल कराया जा रहा है दोनों पक्षों ने शराब के नशे में मारपीट की है। अभी कोई तहरीर नही मिली है। तहरीर मिलने के बाद केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

# सूंती से सोहर्वा के लिए प्रधानमंत्री रोड बन रही गुणवत्ता विहीन ठेकेदार दे रहे नोट इसीलिए अधिकारी हैं मौन

क्यूँ न लिखूँ सच -आलोक मिश्रा

त्योंथर के ग्राम पंचायत सोहर्वा में हो रही प्रधानमंत्री रोड निर्माण का कार्य हो रहा है गुणवत्ता विहीन आधे में पडी गिट्टी और आधी रोड बना दलदल जिसकी वजह से परेशान ग्रामीण जल्द ही करेंगे शिकायत जल्द ही ग्रामीण करेंगे रीवा कलेक्टर को ठेकेदार के लापरवाही से सूंती से सोहर्वा की रोड बन रही है गुणवत्ता विहीन त्योंथर के अधिकारी सो रहे हैं कुम्भकर्णीय नींद में और ग्रामीण हैं परेशान जिसमें रोड निर्माण में घटिया

सामग्री का किया जाता है उपयोग मैं त्योंथर के सक्षम अधिकारियों सें एवं रीवा कलेक्टर से अनुरोध करना चाहूंगा की इस रोड की जांच की जाए और सही तरीके से इसका निर्माण कराया जाए नहीं तो ग्रामीणों के द्वारा उग्र आन्दोलन करने की तैयारी बनती जा रही है और ऐसे भ्रष्टाचारी ठेकेदारों के कार्यों की जांच की जाए और फिर सही तरीके से सूंती से सोहर्वा मार्ग का निर्माण कराया जाए जिससे ग्रामीण जनों के समस्याओ का समाधान हो सके देखने वाली बात यह है कि त्योंथर के पी डब्लू डी के एसडीओ ,एवं त्योंथर एसडीएम, और रीवा कलेक्टर कितना गंभीरता से लेते हैं यह तो वक्त ही तय करेगा या फिर ऐसे ही गुणवत्ता विहीन रोड बनती रहेगी यह तो वक्त ही तय करेगा

# सीएम योगी बोले- दिसंबर 2024 तक तैयार कर लें गंगा एक्सप्रेस वे, चार नए लिंक एक्सप्रेस का मांगा प्रस्ताव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कई परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए गंगा एक्सप्रेस वे को दिसंबर 2024 तक पूरा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक क्लस्टरों के विकास की प्रक्रिया तेज करने का भी निर्देश दिया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश में निर्माणाधीन एवं नवीन एक्सप्रेसवे परियोजनाओं तथा औद्योगिक कॉरीडोर और डिफेंस कॉरीडोर के विकास की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि बीते 07 वर्ष में उत्तर प्रदेश में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। 2017 तक मात्र 02 एक्सप्रेस-राष्ट्रीय राजमार्ग भी 07 वर्ष पहले की प्रदेश को एक्सप्रेसवे प्रदेश के रूप में जोड़ने वाली गंगा एक्सप्रेसवे प्रत्येक दशा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखें, ताकि श्रद्धालुगण गंगा एक्सप्रेसवे पर यात्रा के निर्माण की प्रगति संतोषप्रद है। नगर जनपद के लिए यह शानदार एक्सप्रेस का निर्माण समयबद्ध ढंग से करते हुए बुंदेलखंड की जीवनरेखा बन के लिए कार्यवाही तेज की जाए, इसके बुंदेलखंड की कनेक्टिविटी को और गुणवत्ता और परियोजना की समयबद्धता के लिए एक्सप्रेसवे कवरेज को और विश्वस्तरीय एयरपोर्ट बन रहा है, इसे गंगा एक्सप्रेसवे से जेवर एयरपोर्ट तक

वे वाले इस प्रदेश में आज 06 एक्सप्रेस-वे हैं। तुलना में लगभग दोगुने हो गए हैं। आज उत्तर नई पहचान मिल रही है। मेरठ से प्रयागराज को में आगामी दिसंबर तक आम जनता के लिए प्रयागराज कुंभ 2025 में देश-दुनिया के का लाभ उठा सकें। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे गोरखपुर, संतकबीर नगर आजमगढ़ और अम्बेडकर कनेक्टिविटी का माध्यम बनेगा। गोरखपुर लिंक पूरा करा लिया जाए। जन आकांक्षाओं का सम्मान चुके बुंदेलखंड एक्सप्रेस को चित्रकूट से जोड़ने लिए बजट भी प्राविधानित की जा चुकी है। यह बेहतर करने में बड़ा सहायक होगा। कार्य की सुनिश्चित की जानी चाहिए। बेहतर कनेक्टिविटी विस्तार देने की आवश्यकता है। जेवर में एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाना चाहिए। इसके लिए, लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण कराया जाना उचित होगा। इसी प्रकार, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तक लिंक एक्सप्रेसवे तथा गंगा एक्सप्रेसवे से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे तक वाया फर्रुखाबाद एक नया लिंक एक्सप्रेसवे बनाया जाना चाहिए। चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के साथ-साथ यह तीन नए एक्सप्रेसवे प्रदेश की तरक्की की तेज करने वाले होंगे। इस संबंध में प्रारंभिक अध्ययन कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए। सभी एक्सप्रेसवे के दोनों ओर पौधे लगाए जाएं। डिफेंस इंडस्ट्रियल में देश-दुनिया की बड़ी कंपनियां कर रहीं निवेश- मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश को रक्षा उत्पादन का हब बनाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाली उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल में देश-दुनिया की बड़ी रक्षा उत्पाद निर्माता कंपनियां निवेश कर रही हैं। अब तक 24 हजार करोड़ से अधिक का निवेश डिफेंस कॉरीडोर में हो चुका है। लखनऊ नोड में ब्रम्होस एयरोस्पेस, एरोलॉय टेक्नोलॉजी, झांसी नोड में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, कानपुर नोड में अडानी डिफेंस सिस्टम, अलीगढ़ में एमिटेक इलेक्ट्रॉनिक्स और एंकर रिसर्च लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनियां अपनी इकाई लगा रही हैं। नवीन प्रस्तावों के संबंध में तत्काल निर्णय लें। कोई भी प्रस्ताव लंबित न रखें। बायो प्लास्टिक पार्क के विकास की कार्यवाही तेजी से आगे बढ़ाई जाए। लखीमपुर खीरी में बायो प्लास्टिक मैनुफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना के लिए भूमि क्रय तेज किया जाना अपेक्षित है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्राप्त निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन की सतत समीक्षा की जाए। निवेशक को लैंड अलॉटमेंट करना हो अथवा देय इंसेंटिव का विषय, कतई विलंब न हो। तत्काल निर्णय लें। बदलती परिस्थितियों के बीच प्राधिकरणों के बाइलॉज को अपडेट करने की आवश्यकता है। नियमों को और अधिक निवेश अनुकूल बनाया जाना चाहिए। औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में लैंडबैंक विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज की जाए। औद्योगिक कॉलोनियों में मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए। यह विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी है कि इंडस्ट्रियल एरिया में सड़क, ड्रेनेज, सफाई, जलापूर्ति जैसी सुविधाएँ बेहतर ढंग से उपलब्ध हों। निजी पार्कों के विकास के लिए बड़ी संख्या में निवेशकों ने रुचि दिखाई है। एमएसएमई विभाग ने इस संबंध में अच्छा कार्य किया है। निजी पार्क की स्थापना हेतु निवेशकों को आवश्यक बल्क लैंड की पूर्ति हेतु औद्योगिक विकास प्राधिकरणों द्वारा भी तेजी से व्यवस्था की जाए। औद्योगिक विकास प्राधिकरणों द्वारा भूमि अधिसूचित करने के बाद अधिग्रहण की कार्यवाही प्रारंभ करने में अनावश्यक बिलंब न हो। किसानों को मुआवजा तत्काल दिया जाए। औद्योगिक विकास प्राधिकरणों द्वारा अपने औद्योगिक क्षेत्रों में सिक औद्योगिक इकाइयों की भूमि को नए निवेशकों को उपलब्ध करने हेतु नीति घोषित करनी चाहिए। नवगठित बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण ( बीडा ) में भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही तेज किया जाना अपेक्षित है। यह प्रयास प्रदेश में बुंदेलखंड के विकास को एक नई ऊंचाई देने वाला होगा। दादरी में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स हब ( एमएमएलएच ) एवं बोराकी में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब ( एमएमटीएच )के विकास की प्रक्रिया तेज की जाए।

## डॉ. भीमराव आंबेडकर विवि: वेबसाइट पर पास... और मार्कशीट में फेल दिख रहे छात्र; विवि के चक्कर काटने को मजबूर

उत्तर प्रदेश के आगरा में डॉ. भीमराव आंबेडकर विवि के परीक्षा परिणाम में गड़बड़ियों का सिलसिला थम नहीं रहा है। रोजाना विवि परिसर में छात्र अंकतालिकाओं की गड़बड़ियां सुधारने के लिए चक्कर काटते नजर आ रहे हैं।

विवि के वेबसाइट में पास दिखे छात्रों को फेल की अंकतालिका मिली है। बुधवार को ऐसे छात्र दोनों अंकतालिकाएं लेकर भटकते नजर आए। डॉ. भीमराव आंबेडकर विवि के परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी के चलते छात्र वेबसाइट पर पास और मार्कशीट में फेल दिख रहे। इसे सुधरवाने के लिए वह विवि के चक्कर काटने को मजबूर हैं। अलीगढ़ निवासी छात्र अतुल काफी समय से विवि में चक्कर काट रहे हैं। बुधवार को विवि में वेबसाइट पर जारी किए गए परिणाम और अंकतालिका मिलने पर बदले रिजल्ट से वह परेशान थे। छात्र का कहना था कि उसने श्री वार्ष्णेय कॉलेज, अलीगढ़ से सत्र 2022-23 में बीएससी फाइनल की परीक्षा दी। परिणाम आने पर उसे सेकंड डिवीजन पास दिखाया गया, लेकिन जब विवि ने मार्कशीट जारी किया तो उसे फेल दिखा दिया। विवि में समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।इसी प्रकार आगरा कॉलेज की बीएससी फाइनल की छात्रा डॉली का परिणाम जब घोषित हुए तो उसके 1110 अंक वेबसाइट पर नजर आ रहे थे। अब मार्कशीट में उसे केवल 1069 अंक मिले हैं। छात्रा का कहना है कि उसे समझ नहीं आ रहा कि वह कौन से अंक को सही माने। अगर 1069 अंक थे तो वेबसाइट पर 1110 अंक क्यों नजर आ रहे थे।

## ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक में मारी टक्कर, दो छात्राओं की मौत... युवक गंभीर; बीए की परीक्षा देने जा रही थीं

मैनपुरी में मक्का लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दो छात्राओं की मौत हो गई। जबकि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। छात्राएं बीए के पेपर देने जा रही थीं। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में बृहस्पतिवार की सुबह मक्का लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दो छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घायल को अस्पताल पहुंचाया। हादसा बिछवां थाना क्षेत्र के लोधीपुर-बहादुरपुर मार्ग पर हुआ। अमित सुबह पत्नी पुष्पांजलि ( 25 ) और सहेली अनामिका ( 24 ) को बीए की सेमेस्टर परीक्षा दिलवाने बिछवां

कस्बा के सुंदर सिंह महाविद्यालय, बहादुरपुर आ रहे थे। लोधीपुर-बहादुरपुर मार्ग पर मक्का लदी टैक्टर-ट्राली ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद तीनों बाइक सवार उछलकर दूर गिरे। हादसा देख आसपास के लोग भागकर पहुंचे। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। तीनों को अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टर ने जांच के बाद पुष्पांजलि और अनामिका को मृत घोषित कर दिया। वहीं अमित का इलाज किया जा रहा है। अमित कुरावली थाना क्षेत्र के पनवाह जखरुआ गांव के रहने वाले हैं। जबकि अनामिका सुजरई गांव की रहने वाली थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

## बीएसए कार्यालय से बाबू को उठा ले गई आगरा विजिलेंस टीम, शिक्षक से 30 हजार रिश्वत लेने का आरोप

आगरा की विजिलेंस टीम हाथरस के बीएसए कार्यालय पहुंची। यहां पर तैनात बाबू देवेंद्र को बीएसए कार्यालय से डायट जाते समय पकड़ कर अपने साथ आगरा ले गई। बताया जा रहा है कि बाबू देवेंद्र पर एक शिक्षक से 30 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है।शिक्षक से 30 हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोप को लेकर आगरा की विजिलेंस टीम हाथरस के बीएसए कार्यालय से बाबू को पकड़ कर अपने साथ ले गई। जिससे वहां बाबुओं के बीच हड़कंप मच गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 जून को आगरा की विजिलेंस टीम हाथरस के बीएसए कार्यालय पहुंची। यहां पर तैनात बाबू देवेंद्र को बीएसए कार्यालय से डायट जाते समय पकड़ कर अपने साथ आगरा ले गई। बताया जा रहा है कि बाबू देवेंद्र पर एक शिक्षक से 30 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है। बाबू के पकड़े जाने से डायट में होने वाली स्कूल आवंटन की प्रक्रिया भी रूक गई है। बाबू के पकड़े जाने से कार्यालय के अन्य बाबुओं में हड़कंप मच गया।

## संक्षिप्त समाचार

### युवक ने फांसी लगाकर समाप्त कर ली जीवनलीला, भागवत कथा के कलश विसर्जन के बाद पी थी शराब

एटा में युवक ने फांसी लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। भागवत कथा के कलश विसर्जन में गया था। लौटने के बाद के बाद जमकर शराब पी थी। उत्तर प्रदेश के एटा में युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसका शव लोहे के गाटर में गमछे से लटकता मिला। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग भी जमा हो गए। मौजूद लोग परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई।मामला जलेसर थाना क्षेत्र के मगला महासुख गांव का है। गांव निवासी सोनू का शव लोहे के गाटर में गमछे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी ली। बताया गया कि गांव में भागवत कथा चल रही थी। बुधवार को समापन पर सोनू भी कलश विसर्जन के लिए कछला घाट गया था। कलश विसर्जन के बाद उसने जमकर शराब पी थी। इसके बाद शाम को गर लौटा। देर रात उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना से घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

### बांके बिहारी मंदिर में गर्मी से बुरा हाल, भीड़ के दबाव में बच्चे सहित चार श्रद्धालु बेहोश

वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर में गर्मी से बुरा हाल। बुधवार की शाम अचानक श्रद्धालुओं की दबाव बढ़ गया। भीड़ के दबाव में बच्चे सहित चार श्रद्धालु बेहोश हो गए। तीर्थ नगरी मथुरा के वृंदावन में ठा. बांके बिहारी मंदिर में बुधवार शाम श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ के दबाव में एक बच्चे सहित चार श्रद्धालु बेहोश हो गए। उनको भीड़ से निकालकर उपचार को ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद तबीयत में सुधार होने पर सभी अपने-अपने घर वापस लौट गए।बांके बिहारी चौकी मार्ग से लेकर विद्या पीठ चौराहा तक बुधवार को श्रद्धालुओं की शाम की पाली में दर्शन को भीड़ हो गई। इस भीड़ के दबाव और उमस भरी गर्मी व के कारण बांके बिहारी मंदिर के अंदर आठ वर्षीय यश पुत्र बबलू निवासी जोधपुर, मोनिका निवासी जालंधर, पंजाब गेट नंबर एक के पास, ईशु डागुर पुत्री कृष्णा निवासी अलीगढ़, मंदिर के अंदर और नेहा पत्नी त्रिनाथ निवासी विशाखापट्टनम, गेट नंबर एक के पास रात आठ बजे करीब एक-एक कर बेहोश हुए। इनको तत्काल मंदिर में तैनात स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्राथमिक उपचार किया। ओआरएस के घोल, इंजेक्शन व दवाओं के बाद इनकी तबीयत में सुधार हुआ। इसके बाद इन्हें घर को रवाना किया गया।आस्था के सागर में डूबी बांके बिहारी मंदिर प्रशासन की गाइडलाइन- बांके बिहारी मंदिर प्रशासन की ओर से गाइडलाइन जारी की गई है। मगर, श्रद्धालु इसका पालन नहीं कर रहे हैं। भारी संख्या में महिला, बुजुर्ग और बच्चे भी अपने आराध्य के दर्शन को पहुंच रहे हैं। जबकि मंदिर प्रशासन ने भीड़ के दबाव में श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ने की घटनाओं को देखते हुए इन्हें दर्शन के लिए न आने की गाइडलाइन जारी की है। बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधक मुनीश कुमार ने बताया कि मंदिर प्रशासन की ओर जारी गाइडलाइन के अनुसार ठा. बांकेबिहारी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सचेत किया है कि श्रद्धालु भीड़ के दौरान मंदिर में छोटे बच्चे, बुजुर्ग, दिव्यांग एवं बीमार व्यक्ति को अपने साथ लेकर मंदिर न आएं। गर्मी के दौरान व्रत करने एवं डॉक्टर के परामर्श के अनुसार दवाई न लेने से दर्शनार्थियों को खासतौर पर महिलाओं को स्वास्थ्य

## लुटेरों का दुस्साहस: युवक को पहले लिफ्ट दी, फिर बाइक सवार दो बदमाशों ने लूट लिया मोबाइल और कैश

आजमगढ़ जिले में लुटेरों के हौसले इनते बुलंद हैं कि बाइक सवार दो बदमाशों ने एक युवक को पहले लिफ्ट दी। फिर कुछ दूर ले जाकर बाइक रोककर उससे मोबाइल और 3500 रुपये कैश लूट लिया।आजमगढ़ जिले के निजामाबाद थाना क्षेत्र के बघौरा गांव के पास नहर के पुल पर लुटेरों ने एक यात्री से 10 हजार का मोबाइल और 3500 रुपये नकदी लूट लिए और मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस गुरुवार को पूरे दिन पीड़ित को लेकर भटकती रही लेकिन लुटेरों का कोई सुराग नहीं लग सका।

यह है मामला सरायमीर थाना क्षेत्र के सैदवाहा गांव निवासी कमलेश चौहान पुत्र आद्या चौहान बुधवार की रात इलाहाबाद से वापस घर आ रहे थे। रात लगभग 12 बजे वह शंकरपुर चेकपोस्ट रानी की सराय उतरे और घर जाने के लिए वाहन का इंतजार करने लगे। तभी एक बाइक पर सवार दो युवक उनके पास आकर रुके और उनसे बातचीत करने लगे। जब उन्होंने बताया कि उन्हें सरायमीर जाना है तो दोनों युवकों ने कहा कि हम फरिहा तक जा रहे हैं। चाहें तो हमारे साथ फरिहा तक चल सकते हैं। इसके बाद वह उनकी बाइक पर बैठ गए। जैसे ही बाइक सवार फरिहा बाजार पहुंचे वह कमलेश को लेकर बाबूराम का पुरा जाने वाले रास्ते पर लेकर चले गए। जब तक कमलेश कुछ समझते उन्होंने बघौरा गांव के पास स्थित नहर के पुल पर बाइक रोकी और उसके पास से 3500 नकद और उसका लगभग 10 हजार रुपये का मोबाइल छीनकर फरार हो गए। इसके बाद वह किसी तरह से फिर फरिहा बाजार में पहुंचा और किसी के मोबाइल से 112 नंबर पर फोन कर घटना की सूचना दी। सूचना पर 112 नंबर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई। गुरुवार को भी पूरे दिन पुलिस पीड़ित को लेकर लुटेरों को तलाश करने में जुटी रही लेकिन शाम तक उनका कहीं पता नहीं चल सका। थाना प्रभारी रंजय कुमार सिंह ने बताया कि अभी हम लोग सीसीटीवी फुटेज की जांच पड़ताल कर रहे हैं। अभी पीड़ित ने तहरीर नहीं दी है। पीड़ित के तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# Karnataka Government has banned the use of artificial colours in chicken kebabs and fish dishes, you should also be careful

**The Karnataka Government has banned the use of artificial colours in chicken kebabs and fish dishes. The Food Safety Department had collected samples of 39 types of kebabs sold in the state, and on examination it was found that artificial colours are being used in them,**

**which can cause serious diseases like cancer. The use of artificial colours in food can be a big threat to health. The Karnataka Government has banned the use of any artificial colour in making kebabs. Legal action can be taken for doing so under Section 59 of the Food Safety and Standards Act, 2006. The Karnataka Government has banned the use of artificial colours in veg, chicken, fish and other kebabs. Under Section 59 of the Food Safety and Quality Act 2006, doing so can result in imprisonment ranging from 7 years to life and a fine of up to Rs 10 lakh. Why was the use of colours banned? After considering the complaints filed by the public in this matter and media reports, the Health Department collected samples of 39 types of kebabs sold across the state and sent them for testing, in which it was found that Sunset Yellow and Carmosine artificial colours are being used in these food products, which is not at all safe for health. Ban on colours has been imposed before as well - It is worth noting that before this, the use of artificial colours in 'Gobi Manchurian' and 'Cotton Candy' has been banned in Goa as well. In such a situation, now the Karnataka government has also said that strict action will be taken against restaurants on the chemicals being used in different types of kebabs. State Health Minister said this - State Health Minister Dinesh Gundu Rao informed the media that 'Tartrazine' can be used in small quantities in packaged food items, but its excessive use in restaurants or any hotel or dhaba can prove to be very harmful for health.**

# If your child is also becoming aggressive, then these tips will be useful in controlling him.

**Sometimes aggressive behavior is seen in children. Therefore, for their good upbringing, it is important to understand the reason behind their behavior. Only with the help of this, you will be able to understand their problem. Therefore, it is important that you can help them in reducing the problem. Let us know what can be the reason behind the aggressive behavior of children. Due to any kind of pressure, the behavior of children can become aggressive. To improve the behavior of children, it is important to understand the reason behind it. You can improve their behavior only by behaving friendly with them. Small laughing, smiling, playing children look so cute. But sometimes suddenly some of their aggressive activities force us to get angry at them. However, there can be many reasons behind these aggressive activities done by them, which we should understand. Only then can we reduce such aggressive behavior of our children. So let us know about the reasons for this behavior in children with aggressive behavior and how to protect them from it. Academic stress- Often children become aggressive due to fear of studies, low marks, lack of interest, etc. Unhealthy family environment- Sometimes children become aggressive due to bad home environment like fights between parents. These symptoms are often seen in children due to staying away from home. Personal physical and mental problems are also often the reason for them becoming aggressive. To reduce aggression caused by all these reasons, some tips can be adopted, through which you can teach your children to maintain mental peace and balance. Maintain a friendly relationship with childrenParents should maintain a friendly relationship with their children. This eliminates hesitation and fear from the minds of children and they come closer to you and share all their things. Motivate and encourage children for new work. Often children start hating their elders due to not getting encouragement for their achievements, due to which they start behaving aggressively. Therefore, parents or teachers should encourage children. This inspires children to do new tasks and reduces aggression. The right way to do work- Parents should teach their children to do any work in the right way with patience and love. Along with this, it should also be explained that adopting an aggressive attitude towards small issues is a wrong habit. Introduce children to meditation- Meditation is the best way to get mental peace related to spirituality. Therefore, children must be taught to meditate, which gives mental peace and reduces aggression in children. Set limits- Establish a boundary line against the aggressive behavior of children, which parents should always remind them of.**

# Work on improving these skills to become a perfect partner, there will be less conflicts

**We all have many desires regarding our partner that our partner should be like this or like that. During the pre-marriage meetings, we discuss many things but still the conflicts do not stop after marriage, so if you want a healthy relationship, then it is important to work on these skills. Open communication is very important for a healthy relationship. The daily fights can become the reason for separation in the relationship. You can make the relationship better by controlling your emotions. Boys and girls, both weave different kinds of dreams about their life partner. While girls are looking for a loving, caring partner, boys want an understanding, supportive wife. If you think that with these two or four things, the marriage vehicle can run happily for a long time, then you are wrong. It that these things are important, means but not enough. To reduce conflicts and fights in the relationship, you need to work on some more important skills, which we are going to learn about today. Believe me, if you improve them, everyone will give an example of your relationship. Open communication Many issues like the way of doing work, eating, sleeping, waking up, a dressing etc. can become the reason for arguments. There can be mutual complaints about these, but these are all such things which can be corrected by improving them, so instead of fighting over these, talk. By starting a culture of open communication in the relationship, you can easily solve big fights. Controlling emotions - If you learned to control emotions, then you have learned the biggest mantra of a happy married life, understand this. Here controlling emotions means the way of expressing happiness, sadness, anger, romance. Instead of getting irritated and shouting at the partner's mistakes, handle it calmly. Learn to accept mistakes- Learn to accept mistakes to keep the relationship healthy and happy. This is a very good practice and it reduces the chances of fights in the relationship to almost none. Most of the fights happen because of blaming others for our mistakes, so avoid this. Speak with caution- This does not mean that you have to think too much during conversation or romance with your partner. Just whenever there is a rift, during that time you have to control your emotions and language, because these are the times when people lose patience, which works to increase the fight.**

# Before becoming 'Ishaqzaade', Arjun Kapoor was an assistant in Salman Khan's films, this year he will face off against 'Singham'

Everyone knows how much Arjun Kapoor still misses his mother. Often his mother is mentioned in his social media posts. Arjun was 11 years old when his mother Mona Kapoor and Boney Kapoor separated. To forget this sorrow, Arjun started eating a lot, due to which his weight increased a lot. At one time Arjun Kapoor had become 150 kg. He lost 50 kg for his first film. Salman Khan had said that he will play the role of a hero. Arjun Kapoor made his Bollywood

debut as an actor with the 2012 film 'Ishaqzaade'. Parineeti Chopra was seen with him in this film. In this film, Arjun played the role of a local goon from Uttar Pradesh. The audience liked him in this rough-tough role. After this, he played lead roles in romantic, action and comedy films. However, before coming on screen, Arjun also worked a lot behind the camera and worked as an assistant in many films. There are some films among these, whose popularity remains even today. Worked as an assistant in these films- Arjun Kapoor worked as an assistant director in Nikhil Advani's film 'Kal Ho Na Ho' in the year 2003. After this, he also worked as an assistant in Nikhil Advani's next film 'Tsalam-E-Ishq: A Tribute to Love' (2007). Arjun was an assistant producer in Salman Khan starrer No Entry (2005) and Wanted (2009). Both these films were produced by his father Boney Kapoor. Weight had become 150 kg- Arjun was born on 26 June 1985. Arjun is the son of Boney Kapoor and Mona Shourie. Arjun studied from Arya Vidya Mandir, Mumbai. Arjun used to speak very little and the children in school used to trouble him with the news of the rift between his parents. Arjun was not able to tolerate all this. He failed in the board exams and stayed at home. When Arjun's parents got divorced, he was only 11 years old. Arjun started eating a lot to forget the grief of his parents and this led to his weight increasing rapidly. At the age of 16, he had become 150 kg. Salman Khan had given advice- After this, Salman Khan had advised Arjun Kapoor to lose weight. In an interview also, he had accepted that Salman had said that if I lose weight, he will make me the hero of his film. Arjun had lost 50 kg weight for 'Ishaqzaade'. Adopted step-sisters- Let us tell you that Arjun Kapoor did not like his step mother Sridevi at all. In an interview also, he had said about Sridevi's daughters that he has no relation with Jhanvi and Khushi Kapoor. However, after Sridevi's death in 2018, Arjun Kapoor adopted his step-sisters. Now he takes care of Jhanvi and Khushi just like he takes care of his own sister Anshula. Arjun will be seen in the role of the main villain in Rohit Shetty's film Singham Again. The film, which is set to release on Diwali, is a cop universe film, in which Ajay Devgan, Akshay Kumar, Ranveer Singh, Tiger Shroff, Kareena Kapoor Khan will be seen in important roles.

# What was the relationship between actress Sadhana and Karisma Kapoor's mother? A misunderstanding created a rift in the relationship

Karisma and Kareena Kapoor, Aadar Jain, Ranbir Kapoor, all of them are relatives of each other. But do you know that the famous actress of the past, Sadhana, also had a connection with the Kapoor family. Actually, Raj Kapoor was her sister's father-in-law. Do you know which son of Raj Kapoor was married to Sadhana's sister? Sadhana had a relationship with the Kapoor family Her sister is from the Kapoor family The sisters fought because of Raj Kapoor Sadhana was a famous actress of the 60-70s. She entered the industry in the year 1955. Fans were not only convinced of Sadhana's acting, but were also crazy about her beauty. In her career, Sadhana left her mark with her acting by working in films like Love in Shimla, Parakh, Jis Desh Mein Ganga Behti Hai. There came a time when her relationship with the Kapoor family started being discussed. Very few people know that one of her cousin sisters became the daughter-in-law of the Kapoor family and that sister was also a successful actress. Sadhana's nieces are also famous actresses of Bollywood. However, there came a time when there was a separation between the two sisters because of The Great Showman. What is the relationship between Karisma Kapoor and Sadhana? - From Prem Chopra to Shweta Bachchan, everyone is related to the Kapoor family.

One of these names is also that of actress Sadhana, who is connected to the Kapoor family. Actually, Sadhana is the aunt of actresses Karisma Kapoor and Kareena Kapoor. Sadhana and Karisma's mother Babita Kapoor are both cousin sisters. Babita is the daughter of Sadhana's uncle. Like Sadhana, Babita also wanted to become a heroine in the film industry, but before she could act in films, she met Raj Kapoor's son Randhir Kapoor and both of them fell in love with each other. Raj Kapoor knew very well that Sadhana and Babita were sisters, so he talked to the actress about her younger sister. When Babita-Sadhana stopped talking because of Raj Kapoor- Youtube channel Bollywood Novel shared this old story related to Sadhana and told that Raj Kapoor, unhappy with the relationship between Randhir Kapoor and Babita, called Sadhana to the shooting of his film. He asked Sadhana to explain to Babita that she should not dream of becoming the daughter-in-law of the Kapoor family and working in films at the same time. When Raj Kapoor said such a thing to Sadhana about her sister Babita, she could not tolerate it at all and she scolded the actor and left from there. When this news reached Babita, she was very angry with Sadhana for not discussing all these things with her. When Sadhana tried to explain to Babita that Raj Kapoor did not approve of her relationship with Randhir Kapoor, she did not listen to her sister and instead abused her and ended her relationship with her forever.

# 'Vada Pav Girl' Chandrika's gossip against Sana spoiled the atmosphere of the house, this comment was made about Shivani Kumari

Shivani Kumari is one of the popular contestants of Bigg Boss OTT 3. Some people like her UP style of talking, while some do not like it. However, in Bigg Boss OTT 3, there are fights among the contestants regarding Shivani Kumari. A fierce fight is going to be seen between Delhi's Vada Pav girl Chandrika Gera Dixit and Sana Sultan. First nomination in 'Bigg Boss OTT 3' Fight between Chandrika Dixit and Sana Sultan Commented on Shivani Kumari 'Bigg Boss OTT 3', which started under the hosting of Anil Kapoor, has been in the eyes of the people since day one. Only a few days have passed since the show started and the contestants have started fighting with each other. Some contestants coming in 'Bigg Boss OTT 3' have been in the headlines since day one. Chandrika Gera Dixit, Shivani Kumari are some such contestants who have been in the news for some reason or the other since the beginning. As the days are passing, many things are also coming to the fore about the contestants. Sana Sultan had a fight- The first nomination task took place on Monday in 'Bigg Boss OTT 3'. Sana Sultan's name is also among the nominated contestants. Whether Sana will be eliminated this week or not, it will be known in the coming days, but with the first nomination, her first big fight has also started in the show. Vishal revealed Chandrika's secret- The promo of the show has come out, in which it is shown that Sana Sultan and Vishal Pandey are talking to each other. Then Vishal tells Sana what Chandrika has said about her. He told that Chandrika has said that Sana is not fit to stay said that Sana has said one thing that Shivani shocked. She in the show. On hearing this, Sana gets After this, Sana says that she did not say anything like that. this matter. goes to ask Chandrika for clarification on Chandrika Meanwhile, both of them have a fight. that Shivani is repeatedly says that Sana said these words Sana says in not fit to stay in the show. At the same time, her defense that she had said that Shivani is a child. She did not even talk about her status. Chandrika emphasized that Sana has said this about Shivani. At the same time, Sana said that the public is watching and knows the truth.